हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 25 मार्च 2025 | अंक 161/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

EXCLUSIVE
WEDDING
COLLECTION
•LACHA•BANARASI•LEHENGA
•DESIGNER • FANCY WORK
वैशाली
तहंगा अँन्ड सारिज़
लहंगा और साडीयों की महारानी
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर. | समय: 10.00से7.30
9529081789, 9325112561 | रविवार बंद

शादी की न्यूनतम उम्र 20 से 18 साल करने की तैयारी में सरकार

गान्तोक.

नेपाल सरकार ने देश में बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओं के पीछे शादी की न्यूनतम उम्र के ज्यादा (20 वर्ष) होने का हवाला दिया है। अब सरकार इसे कम करने की तैयारी में है। बता दें कि, पड़ोसी देश में शादी की न्यूनतम उम्र 20 साल से 18 साल करने की तैयारी की जा रही है।

नेपाल सरकार शादी की न्यूनतम उम्र 20 से घटाकर 18 साल करने या बाल विवाह पर सजा कम करने की तैयारी कर रही है। सरकार का मानना है कि 20 साल की उम्र सीमा के कारण दुष्कर्म के मामले बढ़े हैं। इसलिए, सरकार बाल अधिनियम और आपराधिक संहिता में संशोधन करने जा रही है। कानून मंत्री अजय चौरेसिया ने कहा, 'सरकार संसद के मौजूदा सत्र में विधेयक लाने की तैयारी में है। हमने इस पर चिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से चर्चा की है।' वहीं इस मामले में गृह मंत्री रमेश लेखक ने संसद की कानून, न्याय और मानवाधिकार समिति में बताया कि सरकार इस संशोधन को अंतिम रूप दे रही है। उन्होंने कहा, 'वर्तमान उम्र सीमा काम नहीं कर रही है, इसलिए इसे कम करना जरूरी है।' नेपाल सरकार दो विकल्पों पर विचार कर रही है। पहला, शादी की न्यूनतम उम्र घटाकर 18 साल करना। दूसरा, 'रोमियो और जूलियट कानून' अपनाना, जो अमेरिका के कई राज्यों में लागू है। इस कानून के तहत यदि दोनों प्रेमी जोड़े की उम्र में 2-3 साल का अंतर हो, तो इसे कानूनी सहमति माना जाएगा।

2022 में तत्कालीन कानून मंत्री गोविंदा बैंदी ने कहा था कि जब 16 साल में नागरिकता और 18 साल में मतदान का अधिकार मिल सकता है, तो शादी की उम्र 20 साल क्यों होनी चाहिए? हालांकि, तब यह बदलाव नहीं हो सका था। अब सरकार इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेने के करीब है और कई सांसद इस बदलाव के समर्थन में हैं।

अभी नेपाल में क्या है नियम?

वर्तमान कानून के अनुसार, नेपाल में शादी के लिए दोनों की उम्र 20 साल होनी चाहिए। यदि कोई इस कानून का उल्लंघन करता है, तो उसे तीन साल की जेल और 30,000 रुपये तक जुर्माना हो सकता है। साथ ही, 18 साल से कम उम्र की लड़की से सहमति से संबंध भी दुष्कर्म माना जाता है।

नागपुर हिंसा

बुलडोजर कार्रवाई पर हाइकोर्ट की टिप्पणी

दंगों के कथित मास्टरमाइंड फहीम और हाफिज के घर पर बुलडोजर कार्रवाई पेर हाईकोर्ट की रोक

नागपुर.

नागपुर में 17 मार्च की रात को हुए दंगों के कथित सूत्रधार फहीम खान और अब्दुल हफीज के घर पर हुई बुलडोजर कार्रवाई को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने सोमवार को स्थगित कर दिया है। महाल और हंसापुरी इलाकों में हाल ही में हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं के बाद महानगरपालिका ने फहीम खान और यूनुस अब्दुल हाफिज के मकानों पर बुलडोजर चलाया था। लेकिन इस कार्रवाई को लेकर अब कानूनी पेंच फंस गया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करती है।

अदालत ने माना कि मकानमालिकों को पूर्व सूचना कम से कम 15 दिन पहले दी जानी चाहिए थी, और उन्हें सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए था। यह कार्रवाई मनमानी और एकतरफा प्रतीत होती है। कोर्ट ने इस मामले में महानगरपालिका को नोटिस जारी करते हुए 15 अप्रैल

तक अपनी स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिये हैं। इस पूरे मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति नितिन सांबरे और न्यायमूर्ति वृषाली जोशी की खंडपीठ के समक्ष हुई।

मकानमालिकों की ओर से अधिवक्ता अश्विन इंगोले ने पक्ष रखा। अब 15 अप्रैल को अदालत में यह साफ होगा कि क्या यह बुलडोजर कार्रवाई कानूनी रूप से उचित थी या नहीं। इस कार्रवाई के बाद शहर में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार की गंभीरता और सख्ती एक बार फिर सामने आई है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जब यह पूछा गया था कि क्या उत्तर प्रदेश की तर्ज पर नागपुर में भी दंगाइयों पर बुलडोज़र चलेगा, तो उन्होंने कहा था, "जो भी दंगा करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई होगी, जरूरत पड़ी तो बुलडोज़र भी चलेगा।"

मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि अपराध और अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किये जाएंगे। गौरतलब है कि रविवार को औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुए आंदोलन के बाद महाल और हंसापुरी इलाके में भड़की हिंसा के पीछे फहीम खान का नाम सामने आया था। उस पर देशद्रोह और दंगे भड़काने का आरोप है। उसे पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

नागपुर घटना के दूसरे आरोपी यूसुफ शेख का घर भी ध्वस्त

नागपुर नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने सोमवार को नागपुर दंगा मामले में दूसरे आरोपी यूसुफ शेख के घर का अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया, जो शहर के जोहरीपुरा महल में स्थित है। इससे पहले नागपुर नगर निगम ने एक अन्य आरोपी फहीम खान के घर के कुछ हिस्सों को ध्वस्त कर दिया था। नगर निगम के उप अभियंता सुनील गजभिये, ने बताया, "हमें एक शिकायत की जांच करने का आदेश था। हमने उचित जांच की। एमआरटीपी अधिनियम (महाराष्ट्र क्षेत्रीय और नगर योजना अधिनियम, 1966) की धारा 53(1) के अनुसार 24 घंटे के लिए नोटिस जारी किया गया था। अवधि पूरी होते ही यह कार्रवाई की गई..." यह 17 मार्च को नागपुर में औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर हुई हिंसक झड़पों के बाद हुआ है, जिसमें एक समुदाय की पवित्र पुस्तक को जलाने की अफवाहों के बीच पुलिस पर पथराव किया गया था।

नदी में नहा रहे तीन बच्चे डूबे

शाहजहांपुर.

शाहजहांपुर की गर्रा नदी में सोमवार दोपहर नहाने के दौरान तीन बालक डूबने लगे। उनकी चीख-पुकार की आवाज सुन वहां पर मौजूद लोग दौड़ पड़े, लेकिन तब तक तीनों बालक डूब गए। फायर ब्रिगेड टीम समेत गोताखोरों ने तीनों बालकों की देर शाम तक तलाश की, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका।

एसपी राजेश द्विवेदी भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। वहीं, बच्चों की तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम बुलवाई गई है। इसी दौरान गर्रा नदी में नहाने के दौरान तीनों डूबने लगे। तीनों को डूबता देख जीशान भागकर घर गया और उसने परिवार वालों को सूचना दी। इससे उनके परिजनों में कोहराम मच गया। गर्रा नदी पर तमाम लोगों की भीड़ लग गई। जिस किसी को हादसे की जानकारी हुई, वह गर्रा नदी की ओर दौड़ पड़ा। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम व गोताखोर भी पहुंच गए। अंधेरा होने तक सभी बालकों की तलाश करते रहे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। उधर, तीनों बालकों के परिजन उनकी सलामती की दुआ करते हुए दिखाई दिए। शाम तक बच्चों का पता नहीं चल सका था। शहर के सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला मामूड़ी निवासी शाहरुख (12 वर्ष), सुहेल (10 वर्ष) और अखलाक (11 वर्ष) सोमवार की दोपहर करीब दो बजे ककरा काकर कुंड में गर्रा नदी किनारे बकरियां चराने के लिए गए थे। उनके साथ शाहरुख का भाई जीशान भी था।

शाहजहांपुर की गर्रा नदी में सोमवार दोपहर नहाने के दौरान तीन बालक डूबने लगे। उनकी चीख-पुकार की आवाज सुन वहां पर मौजूद लोग दौड़ पड़े, लेकिन तब तक तीनों बालक डूब गए। फायर ब्रिगेड टीम समेत गोताखोरों ने तीनों बालकों की देर शाम तक तलाश की, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका।

एसपी राजेश द्विवेदी भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। वहीं, बच्चों की तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम बुलवाई गई है। शाहजहांपुर की गर्रा नदी में सोमवार दोपहर नहाने के दौरान तीन बालक डूबने लगे। उनकी चीख-पुकार की आवाज सुन वहां पर मौजूद लोग दौड़ पड़े, लेकिन तब तक तीनों बालक डूब गए। फायर ब्रिगेड टीम समेत गोताखोरों ने तीनों बालकों की देर शाम तक तलाश की, लेकिन उनका

महाराष्ट्र डिप्टी सीएम पर कुणाल कामरा की टिप्पणी

तिरहुत-मुजफ्फरपुर.

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपनी प्रस्तुति के दौरान एक पैरोडी गीत गाया था, जिसे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यक्तिगत हमला माना गया। अब इस मुद्दे पर राजनीति भी शुरू हो गई है, जिसपर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मशहूर कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई व्यंग्यात्मक टिप्पणी के बाद उपजे विवाद पर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी आने लगी हैं। इसी सिलसिले में बिहार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी राय रखते हुए अभिव्यक्ति की आजादी और व्यंग्य की मर्यादा पर टिप्पणी की है।

वैशाली में अपने संसदीय दौरे पर पहुंचे चिराग पासवान ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस मामले पर अपनी बात रखी। कुणाल कामरा की टिप्पणी को लेकर उठे विवाद पर चिराग पासवान ने कहा कि आप किसी पर बयान दीजिए, सटायर कीजिए, कोई आपत्ति नहीं है। एक से बढ़कर एक कॉमेडियन हुए हैं, जिन्होंने व्यंग्य के माध्यम से बड़ी बातें कही हैं। लेकिन अगर आप किसी को बदनाम करने की सोच से मजाक करते हैं, तो यह गलत है। उन्होंने कहा कि कॉमेडी की सीमा तय होना जरूरी है, क्योंकि व्यंग्य और अपमानजनक भाषा में बड़ा अंतर है। चिराग ने कहा कि कोई व्यक्ति अगर संवैधानिक पद पर बैठा है, तो उसके प्रति भी एक मर्यादा और गरिमा होनी चाहिए।

चिराग पासवान ने इस मौके पर कहा कि मैं अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक का समर्थक नहीं हूं, लेकिन उसकी एक सीमा होती है। अभिव्यक्ति की आजादी वहीं खत्म हो जाती है, जहां दूसरे व्यक्ति की हानि शुरू होती है। किसी को बदनाम करने के लिए कॉमेडी करना न तो सही है और न ही इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति विशेष पर ऐसे कटाक्ष करना, जिससे उसका सामाजिक या राजनीतिक नुकसान हो, उसे किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

ट्रंप प्रशासन की सुप्रीम कोर्ट से गुहार

वाशिंगटन.

अमेरिका के एक सुप्रीम कोर्ट के संघीय कर्मचारियों को फिर से काम पर रखने के आदेश पर ट्रंप प्रशासन ने प्रतिक्रिया देते हुए बड़ी अपील की है। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध किया कि वह संघीय सरकार के आकार को घटाने के लिए उठाए गए इस कदम को रोकने का आदेश दे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से एक महत्वपूर्ण अपील की, जिसमें उसने संघीय कर्मचारियों की सामूहिक बर्खास्तगी को चुनौती दी। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध किया कि वह संघीय सरकार के आकार को घटाने के लिए किए गए इस कदम को रोकने का आदेश दे, जिसमें हजारों परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को फिर से काम पर रखने के आदेश दिए गए थे।

साथ ही मामले में ट्रंप प्रशासन ने कहा कि न्यायाधीशों को कार्यकारी शाखा को मजबूर नहीं करना चाहिए कि वे लगभग 16,000 कर्मचारियों को फिर से काम पर रखें। यह मामला उस समय सामने आया, जब संघीय अदालत ने पाया कि बर्खास्तगी संघीय कानून का उल्लंघन है और इन कर्मचारियों को फिर से बहाल करना जरूरी है। यह मामला रिपब्लिकन प्रशासन द्वारा संघीय कर्मचारियों की संख्या घटाने के लिए उठाए गए कदमों के खिलाफ दायर किए गए मुकदमों में से एक था। इसके अलावा, एक और न्यायाधीश ने भी उसी दिन एक आदेश जारी किया था, जिसमें हजारों कर्मचारियों को फिर से काम पर रखने का आदेश दिया गया।

देखा जाए तो इस आदेश ने प्रशासन की नीतियों और कार्यबल में कटौती को चुनौती दी, खासकर तब जब प्रशासन ने संघीय नियमों और कानूनों को दरकिनार करने का प्रयास किया था। बता दें कि सैन फ्रांसिस्को के अमेरिकी जिला न्यायाधीश विलियम अलसुप ने इस आदेश को दिया था, जिसमें उन्होंने सरकार को संघीय कानूनों का पालन करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने यह भी कहा था कि सरकार अपने कार्यबल को कम करने के लिए जिन कर्मचारियों को निकाल रही है, वे असुरक्षित हैं और उनके पास अपील करने का कोई विकल्प नहीं है।

असम राइफल्स: समर्पण, वीरता और देश सेवा के 190 वर्ष

सोनितपुर. असम राइफल्स ने सोमवार को शिलांग स्थित अपने मुख्यालय में अपना 190वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर असम राइफल्स के लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा, डीजी असम राइफल्स और बल के सभी रैंक ने शिलांग के युद्ध स्मारक पर उन वीर शहीदों कोश्रद्धांजलि अर्पित की। भारत की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित अर्धसैनिक बलों में से एक असम राइफल्स ने सोमवार को शिलांग स्थित अपने मुख्यालय में गर्व और श्रद्धा के साथ अपना 190वां स्थापना दिवस मनाया। करीब दो शताब्दियों की समर्पित सेवा, वीरता और देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता को चिन्हित करता है। इस मौके पर असम राइफल्स के लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेड़ा, डीजी असम राइफल्स और बल के सभी रैंक ने शिलांग के युद्ध स्मारक पर उन वीर शहीदों कोश्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने अतीत में सर्वोच्च बलिदान दिया। डीजी एआर ने बल के सभी रैंकों को संबोधित करते हुए उत्तरी-पूर्व और कश्मीर में उग्रवाद से निपटने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सराहना की।

कराची में 31 मार्च तक कर्फ्यू

कराची.

पाकिस्तान फिर उसी वजह से खबरों में है, जिसके लिए वो हमेशा रहता है. आतंकवाद, हिंसा और अशांति. खबर है कि कराची पुलिस ने शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए शहर के दक्षिण जिले में धारा 144 लगाने की सिफारिश कराची के कमिश्नर से की है. पाकिस्तान के अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार यह सिफारिश कराची दक्षिण क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक सैयद असद रज़ा ने रविवार को आयुक्त को की थी. पाकिस्तान ने बलूच मानवाधिकार एक्टिविस्ट डॉ महरंग बलूच और बेबर्ग बलूच को गिरफ्तार कर लिया है. उनके अलावा कई और की "अवैध हिरासत" के खिलाफ कराची प्रेस क्लब में 24 मार्च को बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने विरोध-प्रदर्शन बुलाया है. इसी को लेकर कराची पुलिस सहमी हुई है. नोटिफिकेशन में आगे कहा गया है कि मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए "यह आवश्यक है कि प्रदर्शन में भाग लेने वाले लोगों, जनता और कार्यक्रम की अखंडता की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय किए जाएं." "इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि 24 से 31 मार्च, 2025 तक आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत दक्षिण क्षेत्र की सीमा के भीतर किसी भी प्रकार के विरोध, प्रदर्शन, धरना रैलियों और पांच से अधिक व्यक्तियों की सभा पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है." कर्फ्यू की सिफारिश को लेकर नोटिफिकेशन में कहा गया है कि "शहर में वर्तमान कानून और व्यवस्था की स्थिति के संदर्भ में, यह आवश्यक है कि दक्षिण क्षेत्र में प्रमुख सड़कों पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों, धरनों और रैलियों पर प्रतिबंध लगाया जाए. इसके परिणामस्वरूप ट्रैफिक जाम हो गया है और "गंभीर सुरक्षा खतरे पैदा हो रहे हैं".

गाजा में 61 लोगों की मौत

मिस्र के नए युद्धविराम प्रस्ताव के बीच इस्राइली हमले तेज

रफह.

इस्राइल की तरफ से गाजा में हमले तेज कर दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में इन हमलों में 61 लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस्राइल और हमास के युद्ध विराम को लेकर मिस्र ने नया प्रस्ताव पेश किया है।

गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों में पिछले कुछ दिनों से तेजी आ गई है, वहीं बीते 24 घंटों में इस्राइली हमलों 61 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध में अब तक 50 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और 1.13 लाख से ज्यादा घायल हुए हैं। मिस्र ने इस्राइल और हमास के बीच शांति बहाल करने के लिए नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के तहत, हमास पांच जीवित बंधकों को रिहा करेगा, जिनमें एक अमेरिकी-इस्राइली नागरिक भी शामिल है। इसके बदले में, इस्राइल गाजा में मानवीय सहायता की

अनुमति देगा और कई फलस्तीनी कैदियों को छोड़ेगा। हमास ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इस्राइली सेना ने गाजा के दक्षिणी शहर रफाह के एक हिस्से को घेर लिया है, जिससे हजारों लोग वहां फंसे हुए हैं।

इस्राइल ने टेल अल-सुल्तान इलाके को खाली करने का आदेश दिया, लेकिन स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि अभी भी हजारों लोग वहां फंसे हुए हैं, जिनमें राहत और बचाव कार्यकर्ता भी शामिल हैं। गाजा में काम कर रहे अमेरिकी डॉक्टर फिरोज सिधवा ने कहा कि इस्राइली हमले में घायल अधिकतर मरीज पहले के हमलों में घायल हुए थे और इलाज करा रहे थे। उनके अनुसार, घायल मरीजों को एक ही युद्ध में दो बार दर्द सहना पड़ रहा है.

स्कूल पर हमला, चार लोगों की मौत

इस्राइली हमले में एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जहां विस्थापित लोग शरण लिए हुए थे। इस हमले में एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। इस्राइल का कहना है कि वह केवल आतंकियों को निशाना बनाता है, लेकिन नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया।

रुपया-डॉलर का बढ़ता अंतर

> क्या भारतीय इकोनॉमी को होगा नुकसान?

नई दिल्ली.

रुपया और डॉलर के बीच का खेल हर रोज खतरनाक होता जा रहा है. डॉलर जहां तिल-तिल करके टूट रहा है, तो रुपये की दहाड़ दूर तक सुनाई दे रही है. सोमवार को तो एक नया करिश्मा देखने को मिला करीब 73 दिन के बाद यानी करीब-करीब ढाई महीने के बाद डॉलर के मुकाबले रुपया 86 रुपये के भाव पर आ गया है. रुपये की ये मजबूती वैसे तो शानदार है, लेकिन कहीं ये इकोनॉमी को नुकसान तो नहीं पहुंचाएगी?

रुपये और डॉलर की एक्सचेंज वैल्यू का सीधा असर देश के ट्रेड पर पड़ता है. अगर रुपया मजबूत होगा तो हमें इंपोर्ट में फायदा होगा, लेकिन एक्सपोर्ट में नुकसान. ठीक इसी तरह रुपया अगर कमजोर होगा तो देश का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ेगा. कमजोर रुपये का कनेक्शन एक्सपोर्ट से इतना गहरा है कि आजादी के बाद जब देश को एक्सपोर्ट बढ़ाना था तब सरकार ने खुद रुपये का डीवैल्यूएशन किया था.

कमजोर रुपये की वजह से भारत के प्रमुख एक्सपोर्ट सेक्टर जैसे कि अपैरल (रेडीमेड कपड़े), इंजीनियरिंग गुड्स, लेदर का सामान और हैंडिक्राफ्ट्स को फायदा पहुंचता है, क्योंकि विदेशों में इनकी डिमांड बढ़ती है. ये वो सेक्टर हैं जो कम पूंजी लागत से शुरू हो जाते हैं.

छोटे से छोटे शहर और गांव के लेवल पर ज्यादा संख्या में रोजगार जेनरेट करते हैं, क्योंकि ये लेबर इंटेंसिव बिजनेस हैं. जहां मानव श्रम की जरूरत ज्यादा होती है. हालांकि इनका एक्सपोर्ट एक सीमित मात्रा में होता है. लेकिन ये सेक्टर 'नेट एक्सपोर्टर' हैं, क्योंकि इनके लिए कच्चे माल की जरूरत बाहर से नहीं पूरी करनी पड़ती है.

दूसरी ओर कई इकोनॉमी एक्सपोर्ट रुपये की मजबूती को जरूरी मानते हैं. उनका मानना है कि इससे ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट को सपोर्ट मिलता है.

इसकी वजह ये है कि इन प्रोडक्ट्स के उत्पादन के लिए काफी सारा कच्चा माल इंपोर्ट से आता है, तब जाकर फाइनल प्रोडक्ट तैयार होता है. ये सेक्टर 'नेट इंपोर्टर' हैं, इसलिए रुपये की मजबूती देश के इंपोर्ट के लिए फायदेमंद रहती है.

मजबूत रुपये से इकोनॉमी को नुकसान

अगर रुपये की मजबूती को व्यापक पैमाने पर समझें, तो इससे इकोनॉमी को कई तरह से नुकसान पहुंचता है. खासकर के तब जब देश का एक्सपोर्ट घट रहा हो, इंपोर्ट बढ़ रहा हो और बेरोजगारी एक बड़ी समस्या हो.करेंसी के कमजोर होने से एक्सपोर्ट को फायदा होता है. इसलिए अभी डॉलर के कमजोर होने का फायदा अमेरिकन इकोनॉमी को सबसे ज्यादा होने वाला है.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी लगातार ये कोशिश कर रहे हैं कि डॉलर की वैल्यू कम हो ताकि उनका ट्रेड बैलेंस हो सके

> शुल्क का आम आदमी पर क्या असर पड़ता है?

केंद्र ने प्याज निर्यात पर शुल्क वापस लिया

नई दिल्ली.

सरकार ने 1 अप्रैल से प्याज पर लागू 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क वापस ले लिया है। यह कदम इस रसोई के प्रमुख खाद्य पदार्थ पर प्रतिबंध लगाए जाने के लगभग डेढ़ वर्ष बाद उठाया गया है।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उपभोक्ता मामले विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर राजस्व विभाग ने अधिसूचना जारी की।उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, "यह निर्णय किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं के लिए प्याज की उपलब्धता बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।"

सरकार स्थिर घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्यात शुल्क और इसी तरह के उपाय लगाती है।

घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने पहले विभिन्न निर्यात प्रतिबंध लागू किए थे, जिनमें

8 दिसंबर, 2023 से 3 मई, 2024 तक निर्यात निषेध शामिल है, तथा उसके बाद सितंबर 2024 में 20 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।जब किसी सब्जी पर आयात शुल्क लगाया जाएगा तो वह आसानी से उपलब्ध हो जाएगी।

इससे वह सब्जी सस्ती हो जाएगी। सरकार द्वारा निर्यात शुल्क वापस लेने से हमारे किसानों द्वारा कड़ी मेहनत से उगाया गया प्याज वैश्विक बाजारों तक पहुंचेगा और उन्हें बेहतर एवं लाभकारी मूल्य मिल सकेगा।यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि निर्यात प्रतिबंधों के बावजूद, चालू वित्त वर्ष के 18 मार्च तक कुल प्याज निर्यात 1.17 मिलियन टन तक पहुंच गया।इस बीच, फसल की आवक बढ़ने के कारण प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज की कीमतों में गिरावट आई है।

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किया गैलेक्सी एफ16 5जी

गुरुग्राम.

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने लोकप्रिय गैलेक्सी F सीरीज को और आगे बढ़ाते हुए गैलेक्सी एफ16 5जी लॉन्च किया है। यह फोन गैलेक्सी एफ सीरीज की खास पहचान को आगे बढ़ाते हुए कई बेहतरीन फीचर्स के साथ आता है, जिनमें शानदार समोलेड डिस्प्ले, 50एमपी ट्रिपल कैमरा और छह जेनरेशन तक एंड्रॉइड अपग्रेड व छह साल के सिक्योरिटी अपडेट शामिल हैं।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस डायरेक्टर अक्षय एस. राव ने कहा, "गैलेक्सी एफ16 5जी का लॉन्च

हमारी उस प्रतिबद्धता को दोहराता है, जिसके तहत हम नए और उपयोगी नवाचारों के जरिए लोगों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करना चाहते हैं। इसे खासतौर पर जेनरेशन जी की तेज़-रफ्तार जिंदगी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जहां परफॉर्मेंस, मजबूती और मनोरंजन का बेहतरीन संतुलन मिलेगा, जिससे एक शानदार यूजर एक्सपीरियंस मिलेगा।

पीएनबी के लाखों खाताधारकों को मिली राहत

नई दिल्ली.

सरकारी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, ने लाखों खाताधारकों को राहत दी है। दअसल, उनके इस समय इसके कई लाख खाताधारकों ने अपने "अपने ग्राहक को जानें" को अपडेट नहीं किया है। उनके लिए केवाईसी अपडेट कराने के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 घोषित की गई है। अब इसमें कुछ दिनों की मोहलत मिल गई है। पीएनबी की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज के मुताबिक अब इसके ग्राहक अपना केवाईसी अपडेट आगामी 10 अप्रैल 2025 तक करा सकेंगे। यह केवल उन ग्राहकों के लिए लागू है जिनके खातों में 31.03.2025 तक केवाईसी अपडेट होना शेष है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 10.04.2025 तक "अपने ग्राहक को जानें"(केवाईसी) जानकारी अपडेट करने के लिए आग्रह

किया है। ताकि उनके खातों का सुचारू कामकाज सुनिश्चित हो सके। वे अपनी अद्यतन जानकारी जैसे पहचान प्रमाण, पता प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन/फॉर्म 60, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध नहीं है) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी किसी भी शाखा को प्रदान कर सकते हैं। बैंक का कहना है कि ग्राहक 10.04.2025 तक पीएनबी वन ऐप, इंटरनेट बैंकिंग सर्विसेज (आईबीएस) या पंजीकृत ईमेल/पोस्ट के माध्यम से भी उनकी मूल शाखा में अपना केवाईसी अपडेट कर सकते हैं। पीएनबी का कहना है कि जो ग्राहक निर्धारित समय के भीतर केवाईसी विवरण को अपडेट करने में विफल होंगे, उनका खाता इनऑपरेटिव हो जाएगा।

अमेरिकी टैरिफ के ऐलान से भारत के लिए अवसर

नई दिल्ली.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों पर चिंताओं के बीच मोतीलाल ओसवाल ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि भारत के पास अपने घरेलू उद्योगों को मजबूत करने का अवसर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ के कारण बढ़ती लागत, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और निर्यात में संभावित नुकसान जैसी चुनौतियां आ सकती है, लेकिन इससे भारत को एक अवसर भी मिलेगा। इस चुनौती को सकारात्मक रूप से लेते हुए भारत आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। अमेरिकी टैरिफ स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के रास्ते भी खोल सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया,टैरिफ के कारण बढ़ती लागत, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और निर्यात से जुड़ी चिंताएं बनी हुई हैं। हालांकि, भारत व्यापार तनाव का लाभ उठा सकता है और अपने घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकता है।

अमेरिका ने हाल के वर्षों में भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लगाया है। 2018 में, भारत से आयातित 761 मिलियन डॉलर के स्टील पर 25 प्रतिशत और 382 मिलियन डॉलर मूल्य के एल्युमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था। इन

उच्च लागतों ने अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों को कम प्रतिस्पर्धी बना दिया, जिससे एक साल के भीतर स्टील निर्यात में 46 प्रतिशत की गिरावट आई।

अमेरिकी खरीदारों की ओर से सस्ते विकल्पों को अपनाने के कारण भारतीय व्यवसायों को नुकसान उठाना पड़ा। भारत के लिए एक और प्रमुख चिंता भारतीय मुद्रा का कमजोर पड़ना है।रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने कच्चे तेल का 87 प्रतिशत आयात करता है, जिसका भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया जाता है। वैश्विक व्यापार विवादों के कारण पूंजी के बाहर जाने से कमजोर हो रहा रुपया तेल आयात को महंगा बना देगा, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ेगा।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक चलने वाला टैरिफ युद्ध भारत के सकल घरेलू उत्पाद को 0.3 प्रतिशत तक कम कर सकता है। इन चुनौतियों के बावजूद, भारत इस स्थिति को अवसर में बदल सकता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में उच्च टैरिफ दरें बनाए रखी हैं। आयात शुल्क का रणनीतिक उपयोग करके और घरेलू उद्योगों को मजबूत करके, भारत विदेशी वस्तुओं पर अपनी निर्भरता कम कर सकता है।

90 लाख से अधिक अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल

नई दिल्ली. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 2022 में करदाताओं को संबंधित मूल्यांकन वर्ष से 2 साल तक अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल करने का विकल्प पेश किया था, जिसमें अतिरिक्त आयकर का भुगतान करना होता है।वित्त विधेयक, 2025 के माध्यम से सरकार ने अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को संबंधित मूल्यांकन वर्ष से 4 साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 28 फरवरी तक 4.64 लाख अपडेटेड आईटीआर दाखिल किए गए और 431.20 करोड़ रुपये के टैक्स का भुगतान किया गया। केंद्रीय मंत्री चौधरी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में 29.79 लाख से अधिक अपडेटेड आईटीआर दाखिल किए गए और 2,947 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर का भुगतान हुआ।

हवाई यात्रियों की सुविधा के लिए नियामक का बड़ा कदम

नई दिल्ली.

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सभी एयरलाइनों को यात्रियों से जुड़े कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नियामक ने विमान सेवा प्रदाता कंपनियों को यात्रियों से जुड़े विनियमों और ग्राहकों के अधिकारों से संबंधित प्रावधानों का प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है। डीजीसीए ने सभी एयरलाइनों को निर्देश दिया गया है कि वे टिकट बुक होने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय पर उपलब्ध यात्री चार्टर का ऑनलाइन लिंक यात्री को संदेश (एसएमएस/व्हाट्सएप) के रूप में भेजें।

इसका मतलब है कि अब जब भी यात्री हवाई टिकट बुक करेंगे तो अब उन्हें अपने अधिकारों और सुविधाओं की पूरी जानकारी मिलेगी। इस आदेश के तहत सभी एयरलाइंस कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे यात्रियों को टिकट बुकिंग के तुरंत बाद एक ऑनलाइन लिंक के माध्यम से उनके अधिकारों के बारे में उन्हें सूचित

करें। इस लिंक में यात्रियों के अधिकारों, नियमों और शिकायत निवारण की पूरी जानकारी होगी, जिससे उन्हें किसी भी समस्या के समाधान में आसानी हो।

डीजीसीए के इस आदेश से यात्रियों को सहुलियत होगी। उन्हें उनकी उड़ान से संबंधित अधिकारों के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी। क्योंकि आम तौर पर यात्री फ्लाइट कैंसिल होने, बोर्डिंग डिनायल, बैगेज खोने या डैमेज होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन ज्यादातर यात्रियों को यह नहीं पता होता कि वे इन परिस्थितियों में क्या कर सकते हैं। अब वे डीजीसीए के इस नए निर्देश से यात्रियों को न केवल उनकी सुविधाओं की जानकारी मिलेगी, बल्कि वे अपनी शिकायतों का समाधान भी करा सकेंगे।

डीजीसीए ने यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी एयरलाइंस कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे यात्री अधिकार चार्टर का लिंक टिकट बुकिंग के समय एसएमएस या व्हाट्सएप के जरिए सीधे यात्रियों को भेजे। इसके अलावा एयरलाइन कंपनियां यह जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट और टिकट पर भी प्रमुखता से उपलब्ध होनी चाहिए। इससे यात्रियों को उनकी उड़ान से जुड़े नियमों, देरी और कैंसिलेशन की स्थिति में मिलने वाले मुआवजे, बैगेज से संबंधित नियमों और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

भारत को सोने का भंडार बढ़ाने की अग्रवाल की सलाह

नई दिल्ली.

भारत फिर से सोने की चिड़िया बन सकता है। यह सब कैसे होगा, इसके बारे में मशहूर उद्योगपति और वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया है कि भारत को सोना यानी गोल्ड का भंडार बेहतर करना होगा। साथ ही भारत में ही सोने की खदानों से सोना निकालने की भी सलाह दी है।

अनिल अग्रवाल का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता के कारण सोने की कीमत 3000 डॉलर प्रति औंस से भी ऊपर जा सकती है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि सोना हमेशा से ही मुश्किल समय में सुरक्षित निवेश रहा है। उन्होंने भारत को इस मौके का फायदा उठाने की सलाह दी है। बता दें कि इस समय सोने की कीमत 91 हजार प्रति 10 ग्राम से ऊपर है।

अनिल अग्रवाल ने कहा, 'भारत के लिए यह सबसे अच्छा समय है कि वह अपने सोने के भंडार को फिर

से शुरू करे और उसे बेहतर बनाए।' उन्होंने बताया कि भारत अपनी जरूरत का 800 टन सोना हर साल बाहर से मंगवाता है, जबकि देश में सिर्फ 1 टन सोना ही निकलता है। उन्होंने कहा कि जब कीमतें बढ़ रही हैं तो लोग भारत में सोने की खदानों में पैसा लगाने के लिए तैयार होंगे। इससे सोना निकालना आसान हो जाएगा और इसमें ज्यादा समय भी नहीं लगेगा।

भारत को हर साल बहुत ज्यादा सोना बाहर से खरीदना पड़ता है, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। भारत में सोने के बहुत बड़े भंडार हैं लेकिन कुछ कारणों से यहां ज्यादा सोना नहीं निकाला जाता। इनमें सरकारी नियम, बुनियादी सुविधाओं की कमी और पुरानी नीतियां शामिल हैं।

भारत को अधिक सोना निकालने की जरूरत

अनिल अग्रवाल चाहते हैं कि भारत अपने देश में ही ज्यादा सोना निकाले ताकि बाहर से सोना खरीदने की जरूरत कम हो जाए। सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, इसलिए भारत को अपने सोने के भंडार को निकालने के बारे में सोचना चाहिए।

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी | सोडत दर सोमवारी | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत क्र. 12 सोडत दिनांक 24/03/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — **SL-07 : 1332**

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी **1332** — महावीर लॉटरी सेंटर - कोल्हापूर, पवार लॉटरी - ठाणे

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	2543	3787	4645	5246	6211	6777
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1526	2100	3067	4008	5769	6397
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1042	1721	2085	3470	6433	6523
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	2422	2460	3004	4878	5468	5704

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)		1810	2215	2581	3139	3403	3911	4356	4746	5245	5583	6100	6600
		1818	2217	2595	3148	3410	3923	4386	4761	5249	5595	6113	6602
1020	1435	1831	2222	2643	3153	3433	3931	4388	4767	5258	5597	6166	6619
1027	1461	1847	2224	2647	3167	3473	3933	4396	4828	5273	5605	6172	6621
1071	1478	1855	2226	2669	3177	3483	3940	4400	4843	5285	5626	6176	6635
1084	1491	1881	2227	2682	3189	3504	3947	4407	4844	5299	5645	6186	6644
1089	1504	1884	2228	2732	3205	3524	3973	4408	4854	5321	5651	6197	6650
1094	1505	1890	2234	2745	3220	3535	3977	4417	4856	5337	5652	6213	6653
1113	1508	1913	2244	2785	3224	3560	3993	4426	4865	5343	5654	6225	6659
1114	1510	1933	2264	2799	3225	3607	4002	4431	4876	5346	5655	6226	6668
1118	1523	1937	2266	2811	3226	3621	4003	4436	4904	5384	5680	6256	6683
1121	1535	1953	2279	2823	3230	3633	4004	4437	4909	5387	5685	6296	6691
1124	1557	1961	2280	2846	3243	3634	4057	4438	4926	5390	5705	6316	6699
1128	1582	1973	2287	2868	3253	3643	4077	4441	4943	5391	5743	6356	6710
1132	1586	1981	2297	2882	3280	3644	4080	4443	4944	5398	5749	6366	6723
1139	1613	1983	2299	2900	3283	3657	4095	4444	4947	5399	5788	6367	6762
1160	1616	1990	2305	2907	3287	3666	4100	4448	4974	5455	5805	6376	6768
1167	1617	1994	2315	2908	3300	3673	4106	4455	4987	5456	5835	6385	6783
1177	1621	1995	2320	2911	3301	3683	4114	4462	4990	5459	5865	6389	6794
1193	1643	2002	2323	2916	3303	3703	4117	4474	4996	5466	5874	6410	6797
1198	1644	2017	2358	2920	3311	3714	4131	4478	4999	5468	5875	6446	6798
1214	1653	2039	2377	2948	3314	3775	4146	4479	5011	5482	5892	6456	6806
1219	1658	2060	2383	2950	3324	3776	4172	4497	5053	5487	5906	6464	6815
1241	1669	2062	2393	2982	3333	3809	4174	4553	5055	5492	5908	6469	6861
1303	1693	2070	2416	2992	3343	3813	4184	4575	5056	5500	5929	6476	6865
1304	1710	2076	2425	3013	3347	3815	4194	4601	5075	5501	5945	6488	6868
1317	1713	2077	2450	3032	3358	3836	4204	4602	5094	5517	5947	6492	6886
1323	1714	2087	2462	3067	3361	3838	4227	4625	5108	5520	5961	6497	6888
1329	1725	2092	2467	3073	3362	3839	4232	4644	5115	5530	6003	6516	6895
1350	1740	2112	2469	3078	3363	3863	4253	4648	5123	5540	6005	6525	6896
1356	1752	2153	2484	3085	3370	3866	4284	4651	5145	5545	6046	6540	6936
1375	1760	2162	2487	3111	3371	3873	4291	4654	5150	5559	6049	6543	6944
1409	1763	2168	2520	3117	3374	3882	4297	4656	5162	5561	6059	6551	6945
1410	1769	2179	2541	3121	3375	3897	4308	4661	5164	5564	6066	6553	6963
1415	1790	2204	2556	3129	3376	3898	4324	4673	5169	5565	6096	6562	6964
1419	1801	2211	2576	3136	3396	3906	4348	4692	5219	5576	6099	6566	6993

पहिले सामाईक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख (₹ 1 लाखाची 8 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख (₹ 2 लाखाची 5 बक्षिसे) — तिकीटाची किंमत ₹200/-

सागरलक्ष्मी सोडत दिनांक 24/03/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी **गणेशलक्ष्मी** भाग्यशाली विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 5:00

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 12 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 24/03/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — जिंकले — **MG-06 : 3728** — विशेष डिस्ट्रिब्युटर, गोरेगाव

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — जिंकले — **2976** — श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई

तिसरे बक्षिस रु. 1000/- — 1884 (श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई), 1954 (आर. के. एन्टरप्रायझेस, चर्चगेट), 5456 (रुखमणी एन्टरप्रायझेस, औरंगाबाद), 6808, 7008

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

चौथे बक्षिस रु. 400/-	1992	2690	3921	4357	4961	5654	7133	7987
1081	1995	2782	3948	4479	5116	6177	7297	8370
1091	2229	2792	4007	4568	5145	6499	7403	8424
1150	2257	2828	4024	4741	5152	6821	7571	8727
1157	2329	2968	4025	4805	5232	6888	7607	8886
1285	2454	3364	4039	4841	5369	6896	7689	8892
1292	2499	3382	4065	4863	5426	7000	7769	8896
1340	2562	3387	4112	4866	5503	7038	7777	8897
1362	2662	3803	4244	4949	5570	7060	7824	8998

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 25/03/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर — पहिले सामाईक बक्षिस रु. ₹ 14 लाख — दुसरे बक्षिस ₹ 2.5 लाख ✶ (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे) ✶ — तिकीट किंमत ₹20/-

गणेशलक्ष्मी भाग्यशाली विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 24/03/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता: महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी **महाराष्ट्र सह्याद्री** • धनलक्ष्मी विकली लॉटरी • — सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 12 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 24/03/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — **SL-03 : 5458**

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — **3932**

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1145 (पवार लॉटरी - ठाणे), 3813, 4266

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1010	1714	2460	4433	5251
1014	1771	3398	4627	5317
1016	1942	3491	4673	5365
1103	1978	3730	4681	5436
1189	2126	3743	4774	5441
1284	2200	3979	4844	5453
1447	2236	4143	4924	5527
1521	2424	4429	5028	5547

पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख (₹ 1 लाखाची 8 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख (₹ 2 लाखाची 5 बक्षिसे) — ₹200/-

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 24/03/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी **महाराष्ट्र गजलक्ष्मी** सोम विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 12 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 24/03/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	3960	9346	7992	9360	1159 (पवार लॉटरी - ठाणे)

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 1107 (हरी श्री लॉटरी सेंटर - नालासोपारा), 2682

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 2316, 2868, 3714, 6497, 9470

चौथे बक्षिस रु. 1000/- — 1027, 1811, 1945, 3112, 3186, 5019, 5048, 5418, 5579, 7210

पाचवे बक्षिस रु. 500/- — 0232, 0353, 1594, 1968, 4456, 5592, 6440, 8006, 8795, 9507

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-	1019	1975	2501	3732	4598	5758	6620	7607	8276	9124
	1056	2029	2605	3805	4638	5809	6621	7672	8298	9203
0021	1081	2045	2694	3823	4782	5835	6634	7677	8380	9212
0036	1107	2200	2782	3848	4831	5911	6647	7690	8411	9238
0094	1121	2205	2807	3853	4834	6001	6734	7697	8524	9306
0100	1149	2235	2847	3863	4924	6015	6759	7745	8569	9385
0318	1158	2271	2960	4034	4992	6078	6814	7750	8662	9393
0433	1185	2277	2992	4044	5026	6079	6957	7762	8704	9405
0577	1190	2278	3039	4101	5215	6099	6964	7767	8729	9499
0621	1194	2292	3173	4252	5257	6136	7096	7921	8737	9515
0647	1271	2295	3301	4334	5322	6153	7162	7944	8827	9544
0734	1281	2300	3341	4341	5363	6196	7179	7948	8833	9549
0738	1318	2324	3352	4342	5404	6277	7206	8041	8841	9643
0812	1414	2326	3398	4424	5450	6299	7228	8058	8879	9715
0840	1671	2425	3487	4426	5459	6344	7340	8076	8890	9778
0862	1674	2456	3548	4432	5533	6443	7437	8087	8983	9837
0891	1777	2463	3599	4446	5549	6486	7526	8088	9071	9909
0903	1780	2466	3607	4472	5570	6603	7541	8173	9096	9944
0919	1916	2495	3680	4473	5596	6607	7587	8174	9099	9959

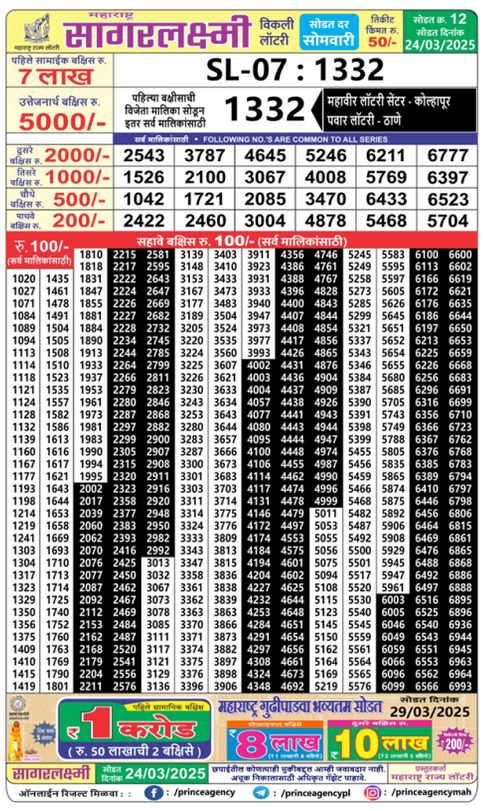

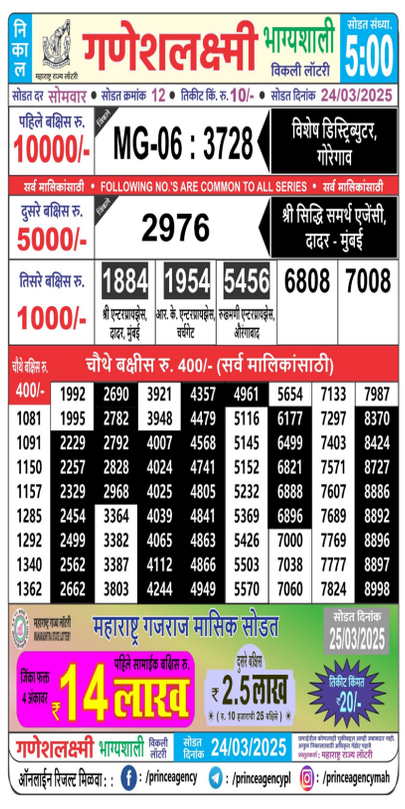

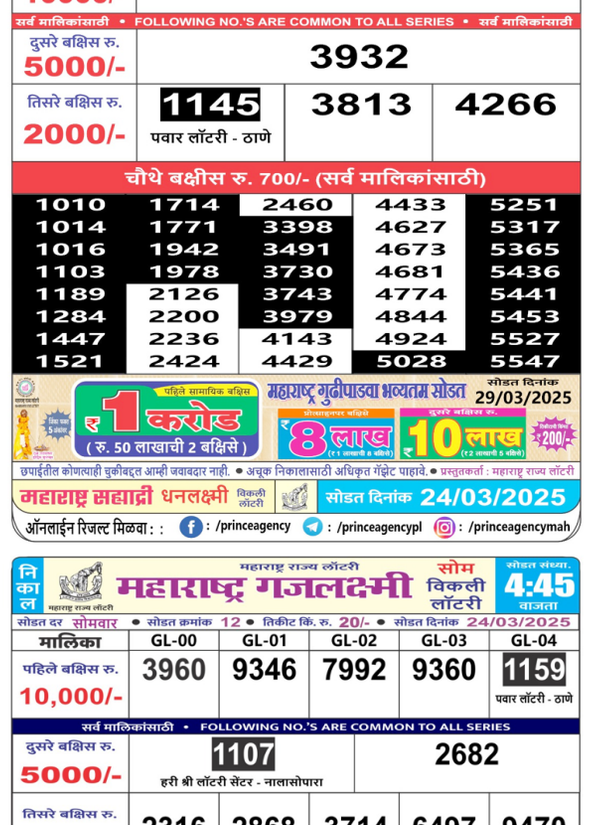

पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 1 करोड (रु. 50 लाखाची 2 बक्षिसे) — महाराष्ट्र गुढीपाडवा भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 29/03/2025 — प्रोत्साहनपर बक्षिसे ₹ 8 लाख (₹ 1 लाखाची 8 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. ₹ 10 लाख (₹ 2 लाखाची 5 बक्षिसे) — ₹200/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 24/03/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लाँटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

संविधान के दायरे में हो...

> अजित पवार और कामरा के बीच राजनीतिक बयानबाजी

मुंबई.

स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के एक वीडियो ने महाराष्ट्र की सियासत में गर्माहट पैदा कर दी है. इसके साथ ही वे खुद मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं. कुणाल कामरा का हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो पॉलिटिकल जोक करते नजर आ रहे हैं. दावा किया जा रहा है कि वीडियो में वो डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को लेकर अपमानजनक बात कर रहे हैं.वीडियो सामने आने के बाद उस स्टूडियो में तोड़फोड़ की गई, जहां कामरा ने वीडियो शूट किया था. इस मामले में तमाम नेताओं के बयान भी सामने आ रहे हैं. उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि जो भी हो, संविधान के दायरे में होना चाहिए.

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कुणाल कामरा मामले पर कहा कि सब कुछ संविधान के दायरे में होना चाहिए. वैचारिक मतभेद हो सकते है लेकिन ऐसा कुछ नहीं करें जिससे पुलिस का काम बढ़ जाए. इसका ध्यान हर किसी जिम्मेदार नागरिक को रखना चाहिए.

शिवसेना शिंदे गुट के सांसद नरेश म्हास्के भी कुणाल पर बुरी तरह से भड़क गए हैं. उनका कहना है कि यह भाड़े के कॉमेडियन पैसों के लिए हमारे नेता पर टिप्पणी कर रहे हैं. कुणाल कामरा अब तुम महाराष्ट्र नहीं हिन्दुस्तान में भी घूम नहीं सकते. हमारे शिवसैनिक आपको आपकी जगह दिखाएंगे.

कुणाल का कमाल- संजय राउत

इस मामले में शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत कुणाल कामरा के समर्थन में खड़े हो गए हैं. उन्होंने कामरा के वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा "कुणाल का कमाल" उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा कि कुणाल कामरा एक जानेमाने लेखक और स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं. कुणाल ने महाराष्ट्र की राजनीति पर एक व्यंगात्मक गाना लिखा तो शिंदे गैंग को मिर्ची लगी. उनके लोगों ने कामरा का स्टूडियो तोड दिया. देवेंद्र जी , आप कमजोर गृहमंत्री हो!'

शिवसैनिकों का कामरा की वीडियो पर फूटा गुस्सा

स्टैंडअप कॉमिडेयन कुणाल कामरा की हाल ही में एक वीडियो वायरल हो रही है जिसमें वो पॉलिटिकल जोक करते नजर आ रहे हैं. दावा किया जा रहा है कि वीडियो में वो डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को लेकर अपमानजनक बात कर रहे हैं. वीडियो सामने आने के बाद शिवसैनिकों का गुस्सा फूटा और उन्होंने जिस स्टूडियो में वीडियो शूट किया गया उस में तोड़फोड़ मचाई. इसी के बाद शिवसेना शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है.

गद्दारों को जनता ने वापस भेज दिया

> देवेंद्र फडणवीस का बयान

मुंबई.

कुणाल कामरा का वीडियो सामने आने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कामरा से माफी मांगने के लिए कहा है. सीएम ने कहा, स्टैंडअप कॉमेडी करने की आजादी है, लेकिन वो जो चाहे वो नहीं बोल सकते हैं. महाराष्ट्र की जनता ने फैसला कर लिया है कि गद्दार कौन है. कुणाल कामरा को माफी मांगनी चाहिए. इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

कॉमेडी करने की आजादी है, लेकिन अगर यह जानबूझकर हमारे डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, तो यह सही नहीं है. इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि कुणाल कामरा उसी ही लाल रंग की संविधान की किताब के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट की है जो राहुल गांधी भी दिखाते हैं.

उन दोनों ने ही संविधान को नहीं पढ़ा है.सीएम ने आगे कहा, संविधान हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है, लेकिन इसकी सीमाएं हैं, लोगों ने हमें साल 2024 के विधानसभा चुनाव में वोट और समर्थन दिया है. जो लोग गद्दार थे उन्हें जनता ने घर वापस भेज दिया है. जनादेश और बाला साहेब ठाकरे की विचारधारा का अपमान करने वालों को जनता ने उनकी जगह दिखा दी है.

जहां दिखे वहां पोत दो कालिख : गृह राज्य मंत्री कदम

इस विवाद पर गृह राज्य मंत्री योगेश रामदास कदम ने कहा कि संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान की है. यह आपको संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का अपमान करने का अधिकार नहीं देता है. तोड़फोड़ पर उन्होंने कहा कि जो भी कार्रवाई जरूरी होगी वो की जाएगी.

कोई ह्यूमर पैदा कर सकता है, लेकिन अपमानजनक बयान देना स्वीकार नहीं किया जा सकता है. कोई दूसरे की स्वतंत्रता और विचारधारा का अतिक्रमण नहीं कर सकता है. इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता है.

ज्योति राव और सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न देने की मांग

> विधानसभा में प्रस्ताव पारित

मुंबई.

महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले भारत रत्न देने की मांग की है। विधानसभा में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया। इसके तहत केंद्र सरकार को समाज सुधारकों महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले को मरणोपरांत देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न देने की सिफारिश की गई। मंत्री जयकुमार रावल ने प्रस्ताव पेश किया। राकांपा विधायक छगन भुजबल और कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने समर्थन किया। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि लोगों ने फुले को दी गई महात्मा की उपाधि को मान्यता दी है और भारत रत्न राज्य की पहचान है। महात्मा की उपाधि देश में हर चीज से ऊपर थी और केवल दो लोगों महात्मा फुले और महात्मा गांधी को इसका

लाभ मिलता था।

पूर्व राज्यसभा सदस्य और कोल्हापुर राजपरिवार के वंशज संभाजीराजे छत्रपति ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से रायगढ़ किले से कुत्ते का स्मारक हटाने की मांग की है। 1920 में यह स्मारक बाघ के लिए बनाया गया था। ऐसा माना जाता है कि वह मराठा सम्राट का मिश्रित नस्ल का कुत्ता था। जब शिवाजी की मृत्यु हुई, तो कुत्ते ने उनकी चिता पर कूदकर खुद को जला लिया। संभाजीराजे छत्रपति ने दावा किया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के मुताबिक ऐसे किसी कुत्ते का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि कुत्ते का स्मारक 31 मई से पहले हटा दिया जाना चाहिए। कुछ दशक पहले 17वीं शताब्दी में छत्रपति शिवाजी महाराज की राजधानी रायगढ़ किले में उनके स्मारक के पास वाघ्या नामक कुत्ते का स्मारक बनाया गया था। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के पालतू कुत्ते के नाम वाघ्या के संबंध में कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं है। चूंकि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, इसलिए यह किले पर अतिक्रमण है, जिसे कानूनी रूप से विरासत संरचना के रूप में संरक्षित किया गया है। पूर्व सांसद ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है और महान शिवाजी महाराज की विरासत का अपमान करता है। कुत्ते की स्मारक संरचना को ऐसा दर्जा मिलने से पहले ही हटा दिया जाना चाहिए।

शराब तस्कर से झड़प, पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत

बुलढाणा. बुलढाणा जिले में रविवार को भाग रहे एक शराब तस्कर ने पुलिस कांस्टेबल की बाइक को लात मार दी, जिससे पुलिस कॉन्स्टेबल भागवत गिरी की गिरने से मौत हो गई और उसका साथी राम अंधाले घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि घटना एंडेरा पुलिस थाने के अंतर्गत चिखली तालुका के शेलगांव अटोल के पास हुई, उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कॉन्स्टेबल भागवत गिरी और राम अंधाले गश्त पर थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि संजय शिवंकर नामक एक शराब तस्कर शेलगांव अटोल की ओर आ रहा है।

शिवंकर को देखने के बाद दोनों पुलिसकर्मियों बाइक से उसका पीछा किया। इस दौरान शिवंकर ने मोटरसाइकिल को लात मार दी, नियंत्रण खोने से बाइक पेड़ से टकरा गई और भागवत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंधाले को चोटें आईं।

सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक के खिलाफ संगठनों का विरोध प्रदर्शन

पुणे.

शहर के विभिन्न दलों और संगठनों ने रविवार को राज्य सरकार के प्रस्तावित सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक के खिलाफ लोकमान्य तिलक चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और इसे निरस्त करने की मांग की। इस दौरान सरकार द्वारा विधेयक वापस लिए जाने तक विरोध जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस विधायक मोहन जोशी, अभय छाजेड़, राकांपा (शरद पवार) शहर अध्यक्ष प्रशांत जगताप, विकास लवांडे, माकपा प्रो. अजीत अभ्यंकर, शिवसेना (ठाकरे) के गजानन थरकुडे, रेखा मुंडे, आम आदमी पार्टी के डॉ. समाजवादी पार्टी के अभिजीत मोरे, विजय कुंभार, दत्ता पाकिरे, रिपब्लिकन पार्टी के डॉ. सिद्धार्थ धेंडे, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी सुरेश खोपड़े, पर्यावरणविद् सारंग यादवदकर, सूचना का अधिकार समूह के अब्राहम अधव, रिवोल्यूशनरी वर्कर्स पार्टी के परमेश्वर जाधव, आरपीआई युवा मोर्चा के दत्ता गायकवाड़, एडवोकेट। संदीप तम्हाणकर ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। 'राज्य सरकार ने हाल ही में विधानसभा में सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक 2024 नाम से एक मसौदा कानून पेश किया है।

मुख्यमंत्री ने मसौदा कानून की प्रस्तावना में उल्लेख किया है कि इस कानून का उद्देश्य शहरी नक्सली संगठनों को खत्म करना है। लेकिन वास्तविक कानून में नक्सलवाद का एक शब्द या संकेत में भी उल्लेख नहीं है, बल्कि इसे बहुत व्यापक रूप से एक अवैध कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसके तहत किसी भी जन आंदोलन या संगठन को नक्सलवाद घोषित करना, उसकी सभी संपत्तियों को जब्त करना और उसके सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को 2 से 7 साल तक की सजा देना अवैध है,' अभ्यंकर ने दावा किया।

आगामी वर्ष में बारह सौ सांस्कृतिक कार्यक्रम

पुणे.

सांस्कृतिक कार्य मंत्री एड. ने घोषणा की है कि सांस्कृतिक विभाग आगामी वर्ष में राज्य में बारह सौ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेगा. आशीष शेलार ने रविवार को यह कार्य किया। शेलार ने कहा, "आने वाले समय में शास्त्रीय नृत्य संरक्षण संस्थान के माध्यम से राज्य में एक बड़ा नृत्य परिसर स्थापित किया जाएगा और इसके लिए सांस्कृतिक विभाग भी सहायता प्रदान करेगा।" शेलार चंद्रकांतदादा पाटिल, युवा सुराज्य प्रतिष्ठान और शास्त्रीय नृत्य संरक्षण सोसायटी द्वारा आयोजित पंडित रोहिणी भाटे नृत्य महोत्सव के समापन सत्र में बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, अंजलि पाटिल, नृत्य गुरु मनीषा साठे, शमा भाटे, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पांडे, शास्त्रीय नृत्य संरक्षण समिति के सभी पदाधिकारी, आयोजक अजय धोंगड़े, भाजपा शहर महासचिव पुनीत जोशी आदि उपस्थित थे। इसी कार्यक्रम में पंडिता रोहिणी भाटे को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शेलार ने कहा, 'पंडित रोहिणी भाटे नृत्य महोत्सव में नृत्य की नवीनताएं अविस्मरणीय हैं। वास्तव में, शास्त्रीय नृत्य को समर्पित ऐसा महोत्सव केवल पुणे में ही आयोजित किया जा सकता है। अगले वर्ष इस महोत्सव को और भी भव्य बनाने के लिए राज्य का सांस्कृतिक विभाग भी इसमें भाग लेगा। दर्शकों को कृष्ण की रासलीला की कहानी पर आधारित नृत्य प्रस्तुति देखने को मिली, जिसमें संवेदनशील अभिनय और सुंदर शारीरिक भाषा का प्रदर्शन किया गया। मनीषा नृत्यालय ने कथक के माध्यम से शिव भूषण को प्रस्तुत किया। दर्शकों ने इस कलाकृति पर उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसके अलावा, कलासक्त नृत्य सोसायटी द्वारा प्रस्तुत ओडिसी नृत्य और योगिनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन को भी दर्शकों ने खूब सराहा।

अजित ने को वाघ्या समाधि मामले में लगाई फटकार

छत्रपति संभाजीनगर.

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने छत्रपति संभाजी महाराज द्वारा वाघ्या समाधि को लेकर उठाए गए मुद्दे पर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं मालूम, महाराज 1680 में चले गए।" इतने साल हो गए. ऐसे पुराने मुद्दे अब 2025 में क्यों उठाए जा रहे हैं? क्या यह मकबरा आज खुला है? चव्हाण साहब संयुक्त महाराष्ट्र कलश लेकर वहां गए, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति वहां आए। हर किसी को मुद्दा उठाने का अधिकार है।

लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक बड़ी चुनौती है। कृषि संबंधी मुद्दे हैं। किसानों को आत्महत्या से हतोत्साहित करने के लिए अभी भी एक बड़ा काम किया जाना बाकी है।

इसे समय के साथ बदलना होगा। लेकिन कभी-कभी कोई नया बयान दे देता है और तब चर्चा शुरू हो जाती है। अजित पवार ने कहा, "इसके बजाय रोजगार उद्योगों के बारे में बात करें।"

सेवानिवृत्त महिला बैंक कर्मचारी से 2 करोड़ की ठगी

पिंपरी-चिंचवड़.

एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी से बीमा कंपनी की ओर से बोलने का दावा कर बड़ी रकम मांगने के बहाने 2.3 करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पिंपरी-चिंचवड़ साइबर पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। लक्ष्मण कुमार पुनारामजी प्रजापति को पुणे शहर से गिरफ्तार किया गया, जबकि भूपेंद्र जीवन सिंह जिन्ना और लक्ष्मण सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने एक सेवानिवृत्त सरकारी महिला बैंक कर्मचारी को बीमा कंपनी से बोलने का झांसा देकर धोखा दिया। अमीश ने दिखाया कि पॉलिसी लेने से आपको अधिक रिटर्न (राशि) मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए आपको जीएसटी, आयकर, टीडीएस आदि जैसे विभिन्न शुल्कों का भुगतान करना होगा और आपको राशि वापस मिल जाएगी। उसके बाद एनपीआई, आईआरडीए, दिल्ली वित्त मंत्रालय से होने का दावा कर तथा उनका लंबित पैसा वापस लेने व उनका विश्वास प्राप्त करने जैसे विभिन्न कारण बताकर शिकायतकर्ता से विभिन्न बैंक खातों व नकदी के माध्यम से कुल 2 करोड़ 30 लाख 8 हजार रुपए की ठगी कर ली गई।

सेवानिवृत्त सरकारी बैंक कर्मचारी महिला ने तुरंत पिंपरी-चिंचवड़ साइबर पुलिस से संपर्क किया। शिकायत दर्ज की गई. इस मामले की जांच पुलिस निरीक्षक रविकिरण नाले के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक प्रवीण स्वामी के नेतृत्व वाली टीम द्वारा की गई। जांच में पता चला कि दो करोड़ में से एक करोड़ 61 लाख रुपये पुणे के लक्ष्मण कुमार प्रजापति को दिए गए थे। साइबर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। यह भी पता चला कि दो अन्य लोग दिल्ली में थे। साइबर पुलिस की दो टीमें दिल्ली भेजी गईं। प्रजापति के पास से दस लाख रुपये और पैसा गिनने की मशीन जब्त की गई।

दिल्ली में पंद्रह दिनों की तपस्या के बाद भूपेंद्र जीवन सिंह जिन्ना और लक्ष्मण सिंह को फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। उसने इस अपराध में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली है। उन्हें एनसीपीआई अधिकारी का फर्जी आईडी कार्ड मिला है। पुलिस को संदेह है कि दिल्ली के दो लोगों ने भारत के कई नागरिकों के साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस ने यह भी अनुमान लगाया है कि इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह हो सकता है।

कुणाल कामरा की प्रतिमा जलाने का प्रयास

ठाणे. स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आपत्तिजनक गीत और बयान देने के बाद शिंदे समूह के कार्यकर्ता आक्रामक हो गए हैं। सोमवार दोपहर शिंदे गुट ने टेंभिनाका इलाके में कुणाल कामरा का प्रतीकात्मक पुतला जलाने की कोशिश की। उन्होंने उनके खिलाफ जोरदार नारे भी लगाए। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में आपत्तिजनक बयान और गाने बनाए हैं. सोशल मीडिया पर क्लिप वायरल होने के बाद अब शिंदे गुट इसको लेकर गुस्सा जाहिर कर रहा है। इसका असर मुंबई और ठाणे में महसूस किया जा रहा है। सोमवार दोपहर को शिंदे गुट के कार्यकर्ता टेंभिनाका स्थित आनंद आश्रम में एकत्र हुए।

विद्याविहार की इमारत में भीषण आग

मुंबई.

विद्याविहार में नाथानी मार्ग पर स्थित नीलकंठ किंगडम कॉम्प्लेक्स में सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे अचानक आग लग गई। इस भीषण हादसे में बिल्डिंग में तैनात सुरक्षा गार्ड उदय गंगन (43) की जलने से मौत हो गई। इसके अलावा एक अन्य सुरक्षा गार्ड भी घायल हो गया, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच, दमकल कर्मी इमारत में लगी आग को बुझाने की कोशिश में जुटे हैं।

नीलकंठ किंगडम कॉम्प्लेक्स की तेरह मंजिला इमारत तक्षशिला में सोमवार सुबह आग लग गई। आग इमारत की पहली और दूसरी मंजिल पर लगी। किसी को आग का पता नहीं चला क्योंकि सभी लोग गहरी नींद में थे। आग धीरे-धीरे तीव्र होती गई और लगभग 5 घरों तक फैल गई। गहरी नींद में सो रहे निवासी पूरे घर में धुआं फैलने पर जाग गए और चीखने चिल्लाने लगे जिससे अन्य निवासी भी जाग गए। वे बचने के लिए इमारत से बाहर भागे। हालाँकि, आग और धुएं के कारण कई लोग बचकर निकलने में असमर्थ रहे। दुर्घटना की सूचना मिलने पर दमकल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

आग और धुएं के कारण उन्हें राहत कार्यों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि, अग्निशमन

कर्मियों ने कठिनाइयों पर काबू पा लिया और इमारत में फंसे 15 से 20 निवासियों को सुरक्षित निकाल लिया। आग की बढ़ती तीव्रता को देखते हुए, फायर ब्रिगेड ने आग को भीषण (यूनिफॉर्म नंबर 2) घोषित कर दिया। इस हादसे में आग की चपेट में आए अपार्टमेंट में मौजूद फर्नीचर, लकड़ी के फर्नीचर, कपड़े, बिजली के तार, इलेक्ट्रिकल सिस्टम और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गए। इस दुर्घटना में दो सुरक्षा गार्ड उदय गंगन (43) और सभाजीत यादव (52) भी घायल हो गए। अग्निशमन कर्मियों ने उन्हें आग से बाहर निकाला। साथ ही घायलों को इलाज के लिए पास के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है तथा अग्निशमन विभाग घटनास्थल पर आग बुझाने का अभियान चला रहा है।

आज का राशिफल

मेष - मेष राशि वालों को स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखें।

वृषभ - वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। बच्चों का साथ मिलेगा। प्रेम जीवन सुखमय रहेगा।

मिथुन - मिथुन राशि वाले आज के दिन थोड़ा सावधान रहें। मानसिक तनाव की वजह से स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क - कर्क राशि वाले आज वाद-विवाद से दूर रहें। पारिवारिक जीवन में कलह से बचें। स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामान करना पड़ सकता है।

सिंह - सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यों में सफलता मिलेगी।

कन्या- कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन कुछ नया करने के लिए अच्छा है। जीवन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। रुके हुए कार्य आज बन सकते हैं।

तुला - तुला राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा कहा जा सकता है। कार्यों को पूरी जिम्मेदारी से पूरा करें।

वृश्चिक - वृश्चिवृश्चिक राशि वालों को आज के दिन सुखद परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा।

धनु - धनु राशि वालों को आज व्यापार में लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर- मकर राशि के लिए आज दोपहर के बाद का समय अच्छा रहेगा। दोपहर तक थोड़ा सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ- कुंभ राशि वालों के लिए मिलाजुला दिन रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

मीन- मीन राशि वालों को आज सावधानी से चलने की आवश्यकता है। मानसिक तनाव हो सकता है। आर्थिक कष्ट भी संभव है।

बस चलाने के दौरान मोबाइल पर देखा मैच

पुणे.

मुंबई पुणे ई शिवनेरी बस: बस चलाते समय मोबाइल फोन पर क्रिकेट मैच देखना एक बस ड्राइवर को महंगा पड़ गया। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने इस बस चालक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पूरे मामले को राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने संज्ञान में लिया। उन्होंने कार्रवाई का आदेश दिया जिसके बाद बस चालक को तुरंत नौकरी से निकाल दिया गया। यह ई-शिवनेरी बस मुंबई- पुणे राजमार्ग पर चल रही थी। इस बस में कई यात्री यात्रा कर रहे थे। हालांकि, बस चालक पर बस चलाते समय मोबाइल फोन पर क्रिकेट मैच देखने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस पर संज्ञान लिया और कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद यह कार्रवाई की गई।

बताया गया है कि ई-शिवनेरी बस का चालक एक निजी व्यक्ति है। इस चालक को बर्खास्त करने की कार्रवाई करने के बाद संबंधित निजी कंपनी पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

इस बीच, एक यात्री ने मुंबई -पुणे राजमार्ग पर चलने वाली इस ई-शिवनेरी बस के चालक का क्रिकेट देखते हुए वीडियो बना लिया । इसके बाद वीडियो परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को भेजा गया। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी टैग किया गया है ।

इस बीच, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पूरी घटना को गंभीरता से लिया और एमएसआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को कार्रवाई करने का आदेश दिया। इसके बाद यह कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि यह घटना 22 मार्च को मुंबई-पुणे रूट पर ई-शिवनेरी बस में घटी। इस संबंध में बोलते हुए, मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, "ई-शिवनेरी मुंबई-पुणे मार्ग पर एक महत्वपूर्ण सेवा है। इस बस में कई लोग यात्रा करते हैं।

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

NP DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

Sabri
Professional DJ & Live Audio Sound Service
:: Booking Show ::
Qawwali, Ghazal. Sugam Sangeet, Jagran, Orchestra, Sufi Night, Celebrity Show, Govt. Meeting, School & College Gatherings, Wedding, Party Shows, Event & All Festival Planings, Trust, Lights, LED Wall.
M. 9503066685
Kharbi Chowk, Nagpur.

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietior
AU Avani Udyog
(MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
• Vocal Classical Singing
• Light Music (with Karaoke)
• Zumba
• Yoga
• Crochet
• Macrame
• Drawing
• Paper Crafts
<: Contact :>
Mob - 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET™ SPEAKERS' ACADEMY
Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
» STUDENTS » TEACHERS » HOUSEWIVES » JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुद्ध नगर, इस्माइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईंडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।
विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक
मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

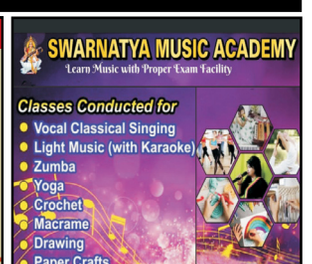

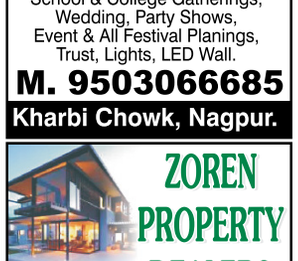

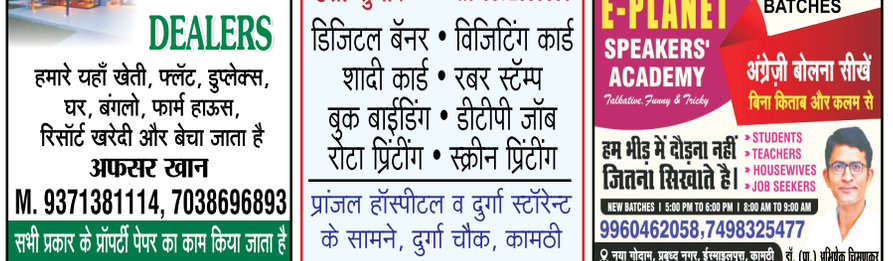

सुविचार

सोच का ही फ़र्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मज़बूत बनाने आती हैं.

संपादकीय

परिसीमन का पेंच

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अगुआई में हुई संयुक्त कार्रवाई समिति जेऐसी की बैठक से स्पष्ट हो गया है कि इसमें शामिल हुए दलों के लिए परिसीमन कितना संजीदा मुद्दा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद अपने ढंग से इस मसले को उठा चुके थे, लेकिन पिछले कुछ समय से इस पर स्टालिन काफी मुखर नजर आ रहे थे। खैर,जेऐसी में परिसीमन प्रक्रिया को और 25 वर्षों के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।: परिसीमन स्थगित करने के प्रस्ताव को एक सुझाव के रूप में लिया जाए तो बैठक के दौरान इन नेताओं का जोर इस पर दिखा कि वे विरोध परिसीमन का नहीं बल्कि इस प्रक्रिया में निहित और संभावित अन्याय का कर रहे हैं। हालांकि,एनडीए केंद्र की सरकार की तरफ से यह बात साफ की जा चुकी है कि दक्षिणी राज्यों के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इन दोनों पहलुओं को पॉजिटिव नजरिए से देखा जाए तो संवाद के जरिए कोई हल निकलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। सवाल है कि ऐसे में संवाद के बजाय टकराव बढ़ता क्यों दिख रहा है। इसके पीछे पिछले कुछ समय से केंद्र और राज्यों के बीच बढ़ी दूरी की भी अहम भूमिका है। चाहे, विरोधी दलों के शासन वाले कुछ राज्यों में राज्यपालों की अति सक्रियता का सवाल हो या त्रिभाषा फॉर्म्युले पर हुई बयानबाजी का या फिर कर-राजस्व आवंटन में होने वाले कथित भेदभाव संबंधी आरोपों का- कुछ हलकों में ऐसी धारणा बनी है कि राज्यों की हैसियत धीरे-धीरे घट रही है।समझना होगा कि इस बहस के मूल में दो बुनियादी सिद्धांत हैं। पहला लोकतंत्र और दूसरा संघात्मक ढांचा। लोकतंत्र संख्या के हिसाब से हिस्सेदारी की बात करता है तो संघात्मक ढांचा राज्यों की समान हैसियत सुनिश्चित करने की गारंटी देता है। दोनों में से किसी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।अगर यह बात सही है कि परिसीमन को अनंतकाल तक स्थगित किए रहना कोई हल नहीं हो सकता तो इसमें भी दो राय नहीं कि किसी राज्य को जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने की सजा नहीं मिलनी चाहिए। ऐसे में रास्ता एक ही है कि केंद्र किसी के साथ अन्याय न होने देने के अपने संकल्प से आगे बढ़कर कुछ राज्यों में जोर पकड़ती अन्याय की आशंका को संबोधित करे और उसे दूर करने का प्रयास करे।

अजहर हाशमी

आखिरत की फजीलत

कुरआने-पाक की सूरह अल आला की सोलहवीं और सत्रहवीं आयत (आयत नंबर 16-17) में ज़िक्र है- 'मगर तुम लोग दुनिया की जिंदगी को अख्तियार करते हो, हालांकि आखिरत बहुत बेहतर और पाइन्दातर है।' इन पाकीजा आयतों की रोशनी में रमजान के इस आखिरी अशरे (अंतिम कालखंड) और खास तौर से चौबीसवें रोजे की फजीलत को (महिमा को) अच्छी तरह समझा जा सकता है। इस आयत में दुनियावी जिंदगी यानी नफ्सी ख्वाहिशात (क्रोध, माया, मान, लोभ जिन्हें जैन धर्म में कषाय कहा जाता है और ईसाई धर्म में मटेरियलिस्टिक डिजायर्स) को छोड़ने और आखिरत से रिश्ता जोड़ने की बात कही गई है। आखिरत से मुराद (आशय) दरअसल पारलौकिक यानी भविष्य की स्थिति से है। मतलब यह हुआ कि दुनियावी जिंदगी के बाद यानी मरणोपरांत की स्थिति ही आखिरत है। यहां दो सवाल हैं। एक तो आखिरत से रिश्ता क्यों जोड़ें? दूसरा, आखिरत से रिश्ता कैसे जोड़ा जाए? जहां तक पहले सवाल का ताल्लुक है तो कुरआने-पाक की मजकूर (उपर्युक्त) सत्रहवीं आयत में इसका जवाब है। यह कि आखिरत (पारलौकिक स्थिति/ मरणोपरांत भविष्य) से रिश्ता जोड़ें क्योंकि आखिरत 'बहुत बेहतर' है (यानी परम श्रेष्ठ है) और 'पाइन्दातर है।' (यानी अनंत शुभकारी/ जयकारी है)। अब दूसरे सवाल (आखिरत से रिश्ता कैसे जोड़ा जाए?) का जवाब रमजान का यह आखिरी अशरा खुद-ब-खुद है। चूंकि यह दोजख (नर्क) से निजात (मुक्ति) का अशरा (कालखंड) है। यानी निजात (मुक्ति) के लिए रम्ज करें। रमजान दरअसल 'रम्ज' से ही बना है।

'रम्ज' के मानी हैं रुकना या कंट्रोल करना। जब रोजादार अपनी नफ्सी ख्वाहिशात पर रोक लगाकर (रम्ज करके) अल्लाह (ईश्वर) की शरई तरीके से इबादत करता है तो यह इबादत ही आखिरत के खाते की पूंजी है। अब

पवित्र महीना 'माहे रमज़ान' विशेष

दूसरे सवाल (आखिरत से रिश्ता कैसे जोड़ा जाए?) का जवाब रमजान का यह आखिरी अशरा खुद-ब-खुद है। चूंकि यह दोजख (नर्क) से निजात (मुक्ति) का अशरा (कालखंड) है।

यानी निजात (मुक्ति) के लिए रम्ज करें। रमजान दरअसल 'रम्ज' से ही बना है। 'रम्ज' के मानी हैं रुकना या कंट्रोल करना। जब रोजादार अपनी नफ्सी ख्वाहिशात पर रोक लगाकर (रम्ज करके) अल्लाह (ईश्वर) की शरई तरीके से इबादत करता है तो यह इबादत ही आखिरत के खाते की पूंजी है।

आलेख

नंदिता रमण

दिल्ली के मरते हुए सिनेमाघर

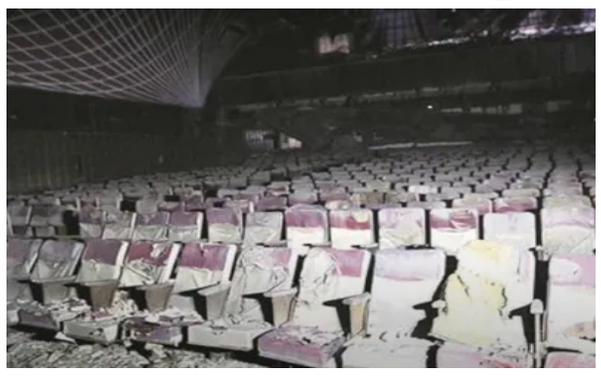

दिल्ली और आसपास के सिनेमा हॉल की सूची बनाने पर कुल 114 सिनेमा घरों का आंकड़ा सामने आया। इसमें से करीब 15 मल्टीपलेक्स है। मैं यह विचार कर ही रही थी कि अनुसंधान कहाँ से शुरु करूँ कि मुझे याद आया अरे! पी. वी. आर. प्रीया तो मेरे घर के बगल में ही है। सोचा कि क्यूँ ना यहीं से शुरुआत की जाय। एक साधारणं से झोले में कैमरा रखा, कुछ फिल्म ली और चल पड़ी। अभी एक-आध ही तस्वीर ली होगी कि सिनेमा हॉल के एक कार्यकर्ता ने आकर कहा कि बिना अनुमति के मैं तसवीरें नहीं ले सकती हूँ। असल में तो मैं पी. वी. आर की जमीन पर थी ही नहीं, मैं बसन्त लोक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से पी. वी. आर का चित्र ले रही थी। एक बार तो मन हुआ कि बोलूँ, पर बेकार की बहस में नहीं पड़ना चाहती थी और हॉल के अन्दर की तसवीरें भी तो लेनी थी जिसके लिये अनुमति भी चाहिए थी, सो चुप चाप कैमरा झोले में डाल मैं घर वापस आ गयी। आते ही पी. वी. आर. के मालिक अजय बिजली को मेल लिखा, कल ही उनका जवाब आया जिसमें उन्होने छाया चित्रण की अनुमति दी है। इस बीच मैं गुड़गांव के सिनेमा घरों को देखने गयी। मल्टीप्लेक्सों के बजाय छोटे हॉलो को पहले देखना निश्चित किया और हाथ आया एक खजाना! जय नाम का एक सिनेमा हॉल। एक छोटा और साधारण हॉल जो इसी फरवरी की सतरह तारीख को बन्द हुआ अब तोड़ा जा रहा है, मल्टीपलेक्स बनाने के लिये। हथौड़े की ठक-ठक के बीच जब हॉल मे कदम रखा तो अचम्भित रह गई। टूटी हुई छत से आती सूरज की किरणें दीवार पर अनेक आकृतियाँ प्रतिबिम्बित कर रहीं थीं। परदे और कुर्सियों को निकाला जा चुका था और रोड़ी व पत्थरों के बीच बिखरे थे अनेक टिकट । एक्ज़िट का टूटा साइन मानो इन छोटे सिनेमा हॉलो के विलोप की ओर संकेत कर रहा था। बाकी के हॉलों का भी बुरा हाल था। शकुन्तला बन्द पड़ा था, अजय और राज में टॉपलेस जैसी अश्लील फिल्में लगी थीं और पायल जिसमे चिंगारी लगी थी सुनसान पड़ा था। गुडगाँव के सिनेमा हॉलों का भ्रमण किये अभी करीब एक महीना ही हुआ है पर लगता ऐसा है कि एक अरसा बीत गया हो। इस एक महीने में मैं करीब दस सिनेमा हॉलों में गयी हूँ। इस बार मैंने पुरानी दिल्ली और कनौट प्लैस के सिनेमा घरों को चुना। शुरुआत की पी.वी.आर. रिवोली से जो सी.पी. में है। पुराने हॉल को रिस्टोर कर के बनाया गया ये हॉल मानो नये पुराने के बीच खो गया हो। ना इधर का न उधर का। एक तरफ़ तो लकड़ी के पॉलिश्ड दरवाजे आपका स्वागत करते हैं और दूसरी तरफ़ फ़र्श पर आधुनिक पैटर्न हैं। फ़ूड स्टाल पर सभी प्रकार की मशीनें हैं और लाऊंज में कुछ पुराने फ़िल्म पोस्टर के प्रिन्टों से दीवार को सजाया गया है। साथ ही है फ़्लैट स्क्रीन टी.वी. जो आने वाली फ़िल्मों के ट्रेलर दिखाता है। अन्दर की साज सज्जा को देख कर ये आभास ही नहीं होता कि यहाँ कभी एक पुराना सिनेमा घर हुआ करता था। प्रोजेक्टर रूम दूसरे पुराने सिनेमा हॉलों से कुछ अलग है। दो के बजाय एक प्रोजेक्टर और बगल में फ़िल्म लोड करने के लिये होरीज़ौंटल डिस्क। ये आधुनिक प्रणाली का डिज़िटल प्रोजेक्टर है। स्पूल में फ़िल्म बार-बार लोड कर के एक के बाद दूसरे प्रोजेक्टर में लगाने के बजाय यहाँ एक ही बार में पूरी फ़िल्म लोड हो जाती है और आपरेटर का काम केवल वहाँ उपस्थित रहना होता है। कुछ ही समय पहले ये आपरेटर पुराने प्रोजेक्टर चालाया करते थे। जब मैंने रिवोली के एक प्रोजेक्टर आपरेटर से पूछा कि उन्हें ये बदलाव कैसा लगता है तो उन्होंने बोला कि इसमें कोइ दो राय नहीं कि इन नये प्रोजेक्टरों की क्वालिटी पुराने कारबन लैम्प प्रोजेक्टरों से बेहतर है पर इन नयी मशीनों को चलाने में वो कॉन्फ़िडेंस नहीं है जो पुरनी मशीनों के साथ था। पुराने प्रोजेक्टर अगर फ़िल्म के बीच में खराब हो जाते तो हम उन्हें किसी न किसी तरह ठीक कर लेते थे, शो नहीं रुकता था, पर इन प्रोजेक्टर के खराब हो जाने पर हम असहाय हो जाते हैं। इनका इलाज इनजीनियर ही कर सकता है। इस बात से मन में अनेक विचार प्रतिबिम्बित हुए। समय के साथ बदलाव स्वाभाविक है और जरूरी भी। पर क्या ये बदलाव रोबोटीकरण की ओर संकेत कर रहा है.

शनि अमावस्या पर सूर्य ग्रहण, सावधान रहें इन नियमों को लेकर

शनिवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या को शनि अमावस्या कहते हैं. चैत्र माह की अमावस्या भी शनिवार को पड़ रही है. शनि अमावस्या के दिन शनि देव का प्रभाव अधिक रहता है. ऐसे में इस दिन कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए, वरना आपका जीवन परेशानियों से घिर सकता है. हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि अत्यंत ही महत्वपूर्ण और पुण्यकारी मानी गई है. अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है. ऐसे में अमावस्या के दिन पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने का विधान है. जब अमावस्या शनिवार के दिन पड़ती है, तो उसे शनि अमावस्या या शनिश्चरी अमावस्या कहा जाता है. चैत्र माह की अमावस्या शनिवार के दिन पड़ रही है, इसलिए इसे शनि अमावस्या कहा जाएगा. इस बार शनि अमावस्या कुछ विशेष होने वाली है, क्योंकि इसी दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण भी लगने जा रहा है. शनि अमावस्या के दिन शनि देव का प्रभाव अधिक रहता है. शनि अमावस्या को शनि की साढ़े साती और ढैय्या से मुक्ति पाने के लिए बहुत उत्तम माना जाता है. लेकिन इस दिन कुछ गलतियों को करने से बचना चाहिए वरन आपको शनि का प्रकोप झेलना पड़ सकता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि मार्च में शनि अमावस्या कब है और इस दिन क्या नहीं करना चाहिए. शनि अमावस्या के दिन भूलकर भी मांस-मदिरा का सेवन न करें. ऐसा करने से शनि देव के प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है.शनि अमावस्या के दिन गाय, कुत्ता और कौवे को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए. अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपसे शनि देव अप्रसन्न हो जाते हैं.शनि अमावस्या के दिन बाल, दाढ़ी और नाखून नहीं काटना चाहिए. धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से शनि दोष लगता है.शनिअमावस्या के दिन लोहे का सामान और शनि से जुड़ी किसी भी चीज की खरीदारी नहीं करनी चाहिए. ऐसा करना अशुभ होता है.शनि अमावस्या के दिन बड़ों का अपमान नहीं करना चाहिए. साथ ही, इस दिन किसी से कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए.

शनि अमावस्या, चैत्र अमावस्या तिथि शुरू – 28 मार्च को शाम 7:55 मिनट पर. चैत्र अमावस्या तिथि समाप्त – 29 मार्च को शाम 4:27 मिनट पर. चैत्र अमावस्या (शनि अमावस्या) तिथि – 29 मार्च 2025.

बालकथा

उपासना बेहार

सुयश की बदली आदत

सुयश एक प्यारा लड़का था, रोज स्कूल जाता था और ध्यान लगा कर पढ़ता था लेकिन उसकी एक ही बुरी आदत थी, वह झूठ बहुत बोलता था. इस आदत से उसके माँ-पापा और दोस्त परेशान रहते थे. उसे हमेशा समझाते थे कि इस आदत के कारण किसी दिन तुम बहुत मुसीबत में पड़ जाओगे लेकिन सुयश इस सलाह पर कभी ध्यान नहीं देता था और कहता 'अभी तक कुछ नहीं हुआ है तो आगे भी नहीं होगा.' एक दिन सुयश के दोस्त मनु ने कहा "मैं तैराकी सीखने जाता हूं, तुम भी चलो वहाँ बहुत मजा आता है." सुयश ने आदत के मुताबिक तुरंत झूठ बोला "मनु मुझे तो तैराकी आती है और मैंने तो तैराकी की कई प्रतियोगितायें जीती है.कुछ दिनों बाद सुयश नए साल में अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने हलाली डेम गया.

डेम में पहले से ही चहल पहल थी, इतवार होने के कारण लोग अपने परिवार के साथ वहाँ आये हुए थे. डेम के चारों तरफ पार्क था जिसमें फिसलपट्टी,सीसा झूला लगे थे. डेम के केयर टेकर ने इन बच्चों को अकेले आते हुए देखा तो कहा "बच्चों तुम लोगों के परिवार से कोई बड़ा व्यक्ति नही आया है."नहीं अंकल "तुम लोग पार्क में ही खेलना पानी की तरफ मत जाना, डेम बहुत गहरा है डूबने का खतरा है". ये चेतावनी देकर केयर टेकर चला गया.पार्क में सब ने बहुत मजे किये. सुयश के दोस्त पंकज ने लोगों को पानी के पास जाते देख कर कहा "देखो सभी लोग तो पानी के पास जा रहे हैं, चलो न हम भी चलते हैं." सभी बच्चे पानी के पास चले गए. वहाँ एक नाव रखी थी, सभी बच्चे उस पर चढ़ कर खेलने लगे. तभी नाव जिस रस्सी से बंधा था वो खुल जाता है और नाव तेजी से पानी की तरफ बहने लगती है. बच्चे घबरा गए और जोर जोर से बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे. तब मनु सुयश से कहता है "तुम तो तैराकी के चैम्पियन हो, जल्दी से तैर कर किनारे जाओ और लोगों से मदद लेकर हमें बचाओ." तब सुयश घबरा जाता है और उसके आंख से आंसू बहने लगते हैं.

वो मनु से कहता है "मुझे माफ़ कर दो दोस्त, मुझे तो तैरना नहीं आता है, उस दिन मैंने तुमसे झूठ बोला था. मैं कान पकड़ता हूँ कि आगे से कभी झूठ नहीं बोलुगां." तभी नाव डगमगाने लगती है, डर के मारे बच्चे रोने लगते हैं और किनारे पर खड़े लोगों को जोर से आवाज देने लगते हैं. किनारे पर खड़े लोगों ने बच्चों को चिल्लाते और नाव को डगमगाते देखा, 3-4 लोग तुरंत उन्हें बचाने पानी में कूद पड़ते हैं और नाव की रस्सी को खीचते हुए उसे किनारे ले आते हैं. सभी बच्चे सदमे में होते हैं. तब तक डेम के केयर टेकर भी आ जाते हैं. वो कहते हैं "मैंने तुम लोगों पानी के पास जाने को मना किया था." बच्चों ने केयर टेकर से माफ़ी मांगी. सुयश को भी झूठ बोलने का सबक मिल गया था.

हास्य-व्यंग्य

डॉ.आफ़ताब अहमद

मैं एक पति हूं- पतरस बुख़ारी

मैं एक पति हूं। दब्बू व आज्ञाकारी। अपनी पत्नी रौशन आरा को अपनी ज़िन्दगी की हर एक बात से आगाह रखना जीवन का मूल सिद्धांत समझता हूँ और हमेशा से इसका पालन करता रहा हूं। ऐ ख़ुदा मेरा अंत भला हो। अतः मेरी पत्नी मेरे दोस्तों की सारी आदतों व अवगुणों से आगाह है, जिसका नतीजा यह है कि मेरे दोस्त जितने मुझको प्यारे हैं उतने ही रौशन आरा को बुरे लगते हैं। मेरे मित्रों की जिन अदाओं ने मुझ पर जादू कर रखा है, उन्हें मेरी पत्नी एक सज्जन पुरुष के लिए शर्मिंदगी का कारण समझती है। आप कहीं यह न समझ लें कि ख़ुदा-न ख़्वास्ता वे कोई ऐसे आदमी हैं जिनका ज़िक्र किसी सभ्य समूह में न किया जा सके। कुछ अपने हुनर के कारण और कुछ इस नाचीज़ की सोहबत की बदौलत सबके सब ही सफ़ेदपोश हैं। लेकिन इस बात को क्या करूँ कि उनकी दोस्ती मेरे घर की शांति व सुकून को ऐसा भंग करती है कि कुछ कह नहीं सकता। मसलन मिर्ज़ा साहब ही को लीजिए। अच्छे ख़ासे और भले आदमी हैं। हालाँकि वन-विभाग में एक उचित पद पर आसीन हैं लेकिन शक्ल व सूरत ऐसी पवित्र पाई है कि मस्जिद के इमाम मालूम होते हैं। जुआ वे नहीं खेलते, गिल्ली-डंडे का उनको शौक़ नहीं, जेब कतरते हुए कभी वे नहीं पकड़े गए। अलबत्ता कबूतर पाल रखे हैं। उन्हीं से जी बहलाते हैं। हमारी पत्नी की यह मनोदशा है कि मुहल्ले का कोई बदमाश जुए में क़ैद हो जाए तो उसकी माँ के पास मातमपुर्सी तक को चली जाती हैं। गिल्ली-डंडे में किसी की आँख फूट जाए तो मरहम पट्टी करती रहती हैं। कोई जेबकतरा पकड़ा जाए तो घंटों आँसू बहाती रहती हैं। लेकिन वे सज्जन जिनको दुनिया भर की ज़बान "मिर्ज़ा साहब", "मिर्ज़ा साहब" कहते थकती नहीं, हमारे घर में "मुऐ कबूतर-बाज़" के नाम से याद किए जाते हैं। कभी भूले से भी मैं आसमान की तरफ़ नज़र उठाकर किसी चील, कव्वे, गिद्ध, शिकरे को देखने लग जाऊँ तो रौशन आरा को तुरंत आशंका हो जाती है कि बसअब यह भी कबूतरबाज़ बनने लगा।इसके बाद मिर्ज़ा साहब की शान में एक क़सीदा (प्रशस्ति) शुरू हो जाता है। बीच में मेरी ओर विषयांतर। कभी लंबी बहर (छंद) में कभी छोटी बहर में।एक दिन जब यह घटना घटित हुई तो मैंने पक्का इरादा कर लिया कि इस मिर्ज़ा कम्बख़्त को कभी पास न फटकने दूँगा। आख़िर घर का हक़ सबसे पहले है। प्रेम की तुलना में दोस्तों की ख़ुशी क्या चीज़ है?

एर्तुग़रुल ग़ाज़ी

एर्तुग़रुल ग़ाज़ी या इरातुगुल (तुर्क तुर्की: रोमानी: तुर्की: अक्सर गाज़ी शीर्षक के साथ) (सन् 1280) (उस्मान प्रथम के पिता थे। उस्मानी साम्राज्य परंपरा के अनुसार, वह ओगुज़ तुर्क के कयि जनजाति के नेता सुलेमान शाह के बेटे थे, जो मंगोल आक्रमण से बचने के लिए पश्चिमी मध्य एशिया से अनातोलिया जा कार बस गया था, अपने पिता की मृत्यु के बाद,एर्तुग़रुल उनके अनुयायियों ने सल्तनत ऑफ रोम की सीमा में प्रवेश किया, जिसके लिए उन्हें बाइज़ेंटाइन साम्राज्य के साथ सीमा पर सोगुत शहर पर प्रभुत्व प्राप्त हुआ। इसने उन घटनाओं की श्रृंखला को बंद कर दिया जो अंतत उस्मानी साम्राज्य की स्थापना के लिए नेतृत्व करेंगे। अपने बेटे, उस्मान और उनके वंशजों की तरह, अर्तुगुल को अक्सर इस्लाम के कारणों के लिए ग़ाज़ी, एक वीर चैंपियन सेनानी के रूप में जाना जाता है। र्तुग़ुल गाजी के जीवन के बारे में निश्चितता के साथ कुछ भी ज्ञात नहीं है, इसके अलावा वह उस्मान प्रथम के पिता थे। इतिहासकारों को इस तरह से एक सदी से भी अधिक समय बाद उस्मान द्वारा लिखी गई कहानियों पर भरोसा करने के लिए मजबूर किया जाता है, जो कि संदिग्ध सटीकता के होते हैं। माना जाता है कि उस्मान के समय से एक अनगढ़ सिक्का, "अरतुग़ुल के पुत्र उस्मान मिंट द्वारा लिखित" से पता चलता है कि एर्तुग़रुल एक ऐतिहासिक व्यक्ति था। एक अन्य सिक्का में लिखा है "उस्मान बिन इर्तुग़ुल बिन गुंडुज़ अल्प, हालांकि इरतुग़ुल को पारंपरिक रूप से सुलेमान शाह का पुत्र माना जाता है। एनवेरी के ड्यूस्टर्नमे (1465) और करमनी

मेहमत पाशा के कालक्रम (1481 से पहले) में, सुलेमान शाह ने गुंडुज अल्प को एर्टुगरुल के पिता के रूप में प्रतिस्थापित किया। [कब?) ओटोमन इतिहासकार आसिकापज़ादे के कालक्रम के बाद, सुलेमान शाह संस्करण आधिकारिक हो गया। इनके बाद की परंपराओं के अनुसार, एर्तुग़रुल क़्य यानी क़ाई क़बीले के प्रमुख थे।

बीजान्टिन के खिलाफ सेल्जूक्स को उनकी सहायता के परिणामस्वरूप, इर्तुग़ुल को अंगोरा (अब अंकारा) के पास एक पहाड़ी क्षेत्र, कयाकुबद आई, सेल्ज के सुल्तान सुल्तान द्वारा कराका डे में भूमि दी गई थी। एक खाते से संकेत मिलता है कि इर्तुग़ुल को देने के लिए सेल्जुक नेता की औचित्य अर्तुगुल के लिए बीजान्टिन या अन्य विरोधी से किसी भी शत्रुतापूर्ण उकसावे को पीछे हटाने के लिए थी।

बाद में, उन्होंने सोट्ट गाँव प्राप्त किया जिसे उन्होंने आसपास की भूमि के साथ मिलकर जीत लिया। वह गाँव, जहाँ वह बाद में मर गया, उसके

बेटे के तहत उस्मानिया सल्तनत की राजधानी बन गई, उस्मान प्रथम। उस्मानी सल्तनत के इतिहासकारों में इस बात पर अलग-अलग राय है कि क्या अर्टुएनरूल के उस्मान के अलावा दो या संभवत तीन अन्य बेटे थे। सरू बट्टू सवेक बेली, या सरु बाटू और सावेक बिय, और गुंडुज बे। तुर्कमेनिस्तान मध्य एशिया में स्थित एक तुर्किक देश है। 1991 तक तुर्कमेन सोवियत समाजवादी गणराज्य (तुर्कमेन) के रूप में यह सोवियत संघ का एक घटक गणतंत्र था। इसकी सीमा दक्षिण पूर्व में अफ़ग़ानिस्तान, दक्षिण पश्चिम में ईरान, उत्तर पूर्व में उज़्बेकिस्तान, उत्तर पश्चिम में कज़ाख़िस्तान और पश्चिम में कैस्पियन सागर से मिलती है। 'तुर्कमेनिस्तान' नाम फारसी से आया है, जिसका अर्थ है, 'तुर्कों की भूमि'। देश की राजधानी अश्गाबात (अश्क़ाबाद) है। इसका हल्के तौर पर "प्यार का शहर" या "शहर जिसको मोहब्बत ने बनाया" के रूप में अनुवाद होता है। यह अरबी के शब्द 'इश्क़' और फारसी प्रत्यय 'आबाद' से मिलकर बना है। तुर्कमेनिस्तान का धरातल बहुत ही विषम है। यहाँ पर पर्वत, पठार, मरूस्थल एवं मैदान सभी मिलते हैं परन्तु समुद्र से दूर होने के कारण यहाँ की जलवायु पर महाद्वीपीय प्रभाव है। पशु-पालन यहाँ का प्रधान व्यवसाय है। तुर्कमेनिस्तान में वर्षा की कमी के कारण प्राकृतिक वनस्पति की कमी है। तुर्कमेनिस्तान के 70% क्षेत्रफल पर काराकुम रेगिस्तान फैला हुआ है। मरुस्थलीय भूमि की अधिकता होने के कारण यहाँ के अधिकांश भागों में शुष्क मरुस्थलीय कँटीली झाड़ियाँ मिलती हैं।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

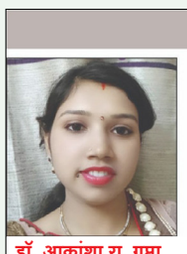
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 25 मार्च 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

जय सेवा आदिवासी महिला स्व-सहायता समूह द्वारा भोजनदान कार्यक्रम

चंद्रपुर, सुनील तायडे. महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी शहीद बाबूराव शेडमाके की जयंती के अवसर पर स्थानीय जिला केंद्रीय कारागार परिसर में श्रद्धांजलि देने आए आदिवासी बंधुओं के लिए जय सेवा आदिवासी महिला स्वसहायता समूह संगठन द्वारा भव्य अन्नदान एवं जल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का लाभ जिले भर से सैकड़ों आदिवासी भाई-बहनों ने उठाया। पिछले कई वर्षों से संस्था इस जनसेवा पहल को क्रियान्वित कर रही है और इस अन्नदान एवं जल वितरण कार्यक्रम की सफलता के लिए जय सेवा आदिवासी महिला स्वसहायता समूह संस्था की संगीता धुर्वे, मालती करंगे, वंदना उइके, अनिता पुसाद, भाग्यश्री कुलमेंथे, वर्षा दलंजे, वर्षा मडावी, प्रीति मेश्राम, वैशाली जीवतोड़े, उषा तालांडे, अन्नपूर्णा धुर्वे, तोड़े और कंचन ने कड़ी मेहनत की।

घोडाझरी झील में डूबे पांच युवकों के परिवारों को वित्तीय सहायता की मांग

श्री गुरुदेव सेवा मंडल का तहसीलदार एवं उपविभागीय अधिकारी को ज्ञापन

चंद्रपुर. कोलारी के गुरुदेव सेवा मंडल के पांच युवा कार्यकर्ता 15 मार्च 2025 को चंद्रपुर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल घोडाझरी झील में डूब गए। हाल ही में चिमूर के उपविभागीय अधिकारी और तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक निवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें इन युवकों के परिवारों को वित्तीय सहायता और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की गई। 15 मार्च 2025 के इस बयान में शनिवार को घोड़ाझरी स्थित झील में पर्यटन के लिए गए कोलारी के पांच युवकों की नहाते समय मौत हो गई थी। इन युवाओं की उम्र 17 से 28 वर्ष के बीच थी। इन युवकों में जनक किशोर गवांडे (25), यश किशोर गवांडे (22), अनिकेत वामन गवांडे (28), तेजस बालाजी गवांडे (24) और तेजस संजय ठाकरे (17) शामिल थे। ये सभी युवा उच्च शिक्षित थे। कम उम्र में उनकी अचानक और दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु से उनका परिवार स्तब्ध रह गया। इस दुखद घटना से प्रभावित सभी परिवारों की क्षति अपूरणीय है। सभी युवक गुरुदेव सेवा मंडल के युवा कार्यकर्ता थे और हर साल आयोजित होने वाले सुशासन शिविर में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। ये सभी युवक अच्छे स्वभाव के, होनहार और कुलीन किसान परिवारों से थे। लेकिन चंद्रपुर जिले में इतना प्रसिद्ध पर्यटन स्थल होने के बावजूद, घोडाझरी झील में पहले भी इसी तरह की घटनाओं में कई युवकों की जान

जा चुकी है। यद्यपि झील में बड़े-बड़े गड्ढे थे, लेकिन कोई चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए थे। साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी कोई कदम नहीं उठाए गए। यही कारण है कि इन शिक्षित और सुसंस्कृत युवाओं की जान चली गई। ये सभी युवक अपने परिवारों के लिए आशा की किरण थे, और उनके अचानक चले जाने से उनका परिवार पूरी तरह से टूट गया है। यह घटना सभी के लिए हृदय विदारक है। इस घटना का असर पूरे चंद्रपुर में फैल गया है। इसलिए प्रत्येक परिवार को अधिक से अधिक आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए तथा परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए। साथ ही दोषी के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए। यह मांग श्री गुरुदेव सेवा मंडल के साथ-साथ राष्ट्रधर्म युवा मंच महाराष्ट्र राज्य और कोलारी के सभी निवासियों ने की है। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय अखिल भारतीय श्री गुरुदेव सेवा मंडल के सर्वाधिकारी लक्ष्मणराव गामे, महाराष्ट्र प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष चंद्रकांत गुंडावार, विजय गावंडे, अमोल गावंडे, विशाल गावंडे, प्रज्वल गावंडे, राजू आलोने, गोपाल सुषेण, किशोर गावंडे, सुखराम पंगुल, नामदेव गावंडे, संजय ठाकरे, कार्तिक गावंडे, स्वप्निल गावंडे, गुलाबराव काले और कई गुरुदेव भक्त उपस्थित थे। उक्त बयान तहसीलदार के माध्यम से जिला कलेक्टर और विधायक बंटी भांगडिया को दिया गया।

अमृत मिशन की कड़वी आहट, गड्ढे और धूल से जनता परेशान

पिछले दो साल से झेल रहे धूल और गड्ढों की मार, राहगीरों और दुकानदारों को बड़ी मुसीबत

चंद्रपुर, सुनील तायडे. चंद्रपुर शहर में मुख्य मार्ग पर अमृत मिशन के अंतर्गत स्विकृत सीवेज पाइपलाइन, जलापूर्ति योजना और सड़क की मरम्मत का काम धीमी गति से चल रहा है. इससे जगह-जगह गड्ढे व धूल से राहगीरों और दुकानदारों को बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है. इसलिए धीमी गति से चल रहा सड़क का काम ठेकेदार पर नियंत्रण रखकर समयबद्ध अवधि में जल्द से जल्द पूरा करने की मांग का निवेदन सोमवार, 24 मार्च को फेडरेशन ऑफ ट्रेड कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से नगर निगम आयुक्त विपिन पालीवाल को दिया. चंद्रपुर शहर के दोनों मुख्य

मार्ग पर अमृत मिशन के अंतर्गत स्विकृत सीवेज पाइपलाइन, जलापूर्ति योजना और सड़क की मरम्मत का काम चल रहा है. जिससे शहर की मुख्य सड़कों को खोदने से जगह-जगह गड्ढे व धूल का गुबार उठ रहा है. यह काम धीमी गति से चलने से राहगीरों और दुकानदारों को बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है. सड़क को खोदने व गड्ढे भरते समय धूल से लोगो को परेशानी हो रही है. रात-दिन उड़ रही धूल के कारण मोटी परत जम जा रही है. स्थिति यह है कि जैसे ही वाहन निकलते हैं और धूल का गुबार पूरे वातावरण में छा जाता है. दिन भर सड़क पर धूल उड़ती है. हवा के जरिए यह धूल व्यापारियों की दुकानों में पहुंच जाती है.

एक लाख से अधिक प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों के शहर में हुए सार्वजनिक

चंद्रपुर, सुनील तायडे. महानगरपालिका ने 1 लाख रुपए से अधिक संपत्तिकर बकाया रखने वाले बकायेदारों को कर अदा करने के लिए 21 मार्च तक की समय-सीमा दी थी, लेकिन तब तक कर अदा न करने वाले सभी बकायेदारों के नाम सार्वजनिक कर दिए गए हैं और शहर के सभी व्यस्त चौक-चौराहों पर ऐसे बैनर लगा दिए गए हैं। इनमें विनोद बुराडे-116278, लगुबाई भुफा-153184, नामदेवराव पारवेकर-150086, केवलराम गुलानी-456082, वीनस बनोट-122977, विदर्भ कंक्रीट प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। शामिल.-198557, विट्ठल पंडिलवार- 320515, मो. कुल 51 लाख 29 हजार रुपए बकाया वाले 16 बकाएदारों के नाम प्रकाशित किए गए हैं, जिनके नाम हैं- नजीर ए. करीम-177441,

मोहम्मद वसीउद्दीन-362228, निर्मलादेवी पंडित-620491, शामराव लांडगे-1180007, समृद्धि जीवन फूड्स लिमिटेड-469093, सायराबाई गांधी-166911, रीना सरकार-203392, समृद्धि सेविंग इन्वेस्टमेंट-180620। शहर के नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार के कर लगाए जाते हैं, लेकिन यह देखा गया है कि सुविधाओं का लाभ उठाने वाले कई लोगों को करों का भुगतान करने में संघर्ष करना पड़ता है।

देशवासियों को प्रधानमंत्री की निष्पक्षता पर भरोसा है: हेमंत पाटिल

> निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन को लेकर विपक्ष की माहौल गरमाने की कोशिश

चंद्रपुर, सुनील तायडे. विपक्ष निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन को लेकर देशभर में गड़बड़ी फैलाने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने देशवासियों में भ्रम पैदा करने और सरकार पर दबाव बनाने का रास्ता अपनाया है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोई भी फैसला निष्पक्षता से लिया जाएगा। देशवासियों को मोदी पर भरोसा है, ऐसा इंडिया अगेंस्ट करप्शन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और ओबीसी नेता हेमंत पाटिल ने विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन द्वारा निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन के मुद्दे पर बुलाई गई बैठक में विपक्षी पार्टी के नेताओं ने भाग लिया। हालाँकि, इस बैठक में विपक्ष के बीच विभाजन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। महाराष्ट्र के मुख्य राजनीतिक दलों शिवसेना (यू) और एनसीपी (शरद पवार) के साथ समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल को बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया। कुल मिलाकर, प्रस्तावित निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन को लेकर विपक्ष में मतभेद है। निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन समय की मांग है। पाटिल ने कहा कि बढ़ती आबादी के अनुरूप लोकसभा में प्रतिनिधित्व बढ़ाना जरूरी है। राज्य के संविधान में प्रावधान है कि हर दस साल में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। इसके लिए जनसंख्या मुख्य मानदंड है। 2002 के संसदीय अधिनियम के अनुसार, निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन 2026 तक नहीं किया जाना था। पाटिल ने राय व्यक्त की कि पुनर्गठन 2026 के बाद होगा। डीएमके और अन्य दलों को डर है कि निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन के बाद दक्षिण भारत में लोकसभा की सीटें जनसंख्या के आधार पर कम हो जाएंगी। केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब में चुनिंदा दल निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि निष्पक्ष पुनर्गठन की मांग कर रहे हैं। हालांकि, पाटिल ने अफसोस जताया कि ये राजनीतिक दल भूल गए हैं कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में लिए गए फैसले जनहित में और निष्पक्ष हैं। पाटिल ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन के संबंध में सरकार ने कोई स्थिति नहीं बनाई है। विपक्ष द्वारा इस संबंध में भ्रम पैदा करने के प्रयास चिंताजनक हैं। भारत जैसे विशाल देश में, जो विविधता में एकता का प्रतीक है, विपक्ष भ्रम पैदा करके दरार पैदा करने की साजिश कर रहा है कि निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन के बाद उत्तर में सीटें बढ़ जाएंगी और दक्षिण में सीटें कम हो जाएंगी।

जनता दरबार नागरिकों के मुद्दे सुलझाने का प्रभावी मंच: जोरगेवार

> जनता दरबार में अधिकारियों की मौजूदगी में नागरिकों ने उठाई जन समस्याएं

घुग्गुस, सुनील तायडे.

विधायक किशोर जोरगेवार ने घुग्घुस में एक सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया। स्नेहप्रभा मंगल कार्यालय में आयोजित इस जनता दरबार में घुग्घुस निवासियों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। विधायक किशोर जोरगेवार ने उपस्थित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दरबार न केवल समस्याएं उठाने बल्कि उनके समाधान के लिए भी एक प्रभावी मंच है। विधायक किशोर जोरगेवार ने यह भी कहा कि प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी को कम करके हर शिकायत को गंभीरता से देखा जाएगा। इस जनता दरबार में उपविभागीय अधिकारी संजय पवार,

तहसीलदार विजय पवार, घुग्घुस नगर परिषद के मुख्य अधिकारी निलेश रंजनकर, सार्वजनिक निर्माण विभाग के उपविभागीय अधिकारी प्रकाश अमरशेट्टीवार, नायब तहसीलदार जितेंद्र गाडेवार, महावितरण विभाग के अभियंता पेंडोर, वेकोलि के उपक्षेत्रीय प्रबंधक रेड्डी, स्वास्थ्य विभाग अधिकारी उनके साथ सभी संबंधित विभागों के अधिकारी तथा घुग्घुस के पूर्व सरपंच संतोष नुने, उपसरपंच संजय तिवारी, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष नीतू चौधरी, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य वैशाली धवस, भारतीय जनता पार्टी के महासचिव विवेक बोढे, इमरान खान, सुधाकर रेड्डी, राजकुमार गोडशेट्टीवार, सुनीता गिव, स्वप्निल वाढई, मुन्ना लोढे , उषा अगडारी, मयूर कलवाल, विशाल डामर, श्याम अगडारी, विनोद चौधरी, वनिता निहाल, अनिल बाम, निरीक्षण तंद्रा, कुसुम सातपुते, साजन गोहाने, नीतू जैस्वाल, सविता गोहाने , सिनु रामटेके , विनोद चौधरी , मल्लेश बल्ला , नंदकिशोर यादव , राहुल झाडे आदि उपस्थित थे। घुग्घुस शहर के नागरिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए स्नेहप्रभा मंगल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जनता की भारी भीड़ उमड़ी.

इस अदालत कक्ष में सैकड़ों नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखीं। प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति से नागरिकों की समस्याओं को तुरंत दर्ज करने तथा उनके समाधान के लिए कदम उठाने में मदद मिली। जनता दरबार में जलापूर्ति , सड़क , बिजली , स्वास्थ्य , सफाई , जन सुविधाएं , वेकोलि से संबंधित शिकायतें, कॉलोनी में नागरिक सुविधाएं इस प्रकार के कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने नागरिकों के सवालों का गंभीरता से जवाब दिया और कुछ शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। घुग्घुस के नागरिकों ने अपने प्रश्न ईमानदारी से प्रस्तुत किये। हालांकि, सवाल उठाना अंतिम चरण नहीं है , बल्कि उनका समाधान ढूंढना ही जनता दरबार का असली उद्देश्य है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से शहर का विकास होगा। आपकी हर समस्या का तुरंत समाधान किया जाएगा और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ऐसा विश्वास विधायक किशोर जोरगेवार ने जताया। आज जनता ने इस सार्वजनिक बैठक में उत्साहपूर्वक भाग लिया, यही इस पहल की सफलता है। लोकतंत्र का असली स्वरूप तभी दिखता है जब प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर जनता की समस्याओं का समाधान करते हैं।

शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय अभिरूप न्यायालय स्पर्धा का आयोजन

चंद्रपुर.

शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय अभिरूप न्यायालय स्पर्धा का आयोजन किया गया। यह स्पर्धा पिछले कई वर्षों से आयोजित की जा रही है। इस वर्ष प्रतियोगिता में देशभर के 14 प्रतिष्ठित विधि महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया, जिनमें बेंगलुरु के स्कूल ऑफ लॉ, विजयवाड़ा, गुंटूर, जलगांव, अमरावती, नागपुर और पुणे के विधि महाविद्यालयों की टीमें शामिल थीं।

इस प्रतियोगिता में शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय की दो टीमों ने भी हिस्सा लिया। प्रारंभिक चरण की न्यायिक प्रक्रिया का मूल्यांकन चंद्रपुर जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश बजाज, वैशाली टोंगे, अविनाश खडतकर और कल्याण कुमार ने किया। वहीं, सेमीफाइनल राउंड में नागपुर उच्च न्यायालय के प्रसिद्ध विधिज्ञ अनिरुद्ध चदिकर, आशिष कडुकर, यश कुल्लरवार और अमोल हुंगे ने परीक्षक की भूमिका निभाई। फाइनल मुकाबले में बेंगलुरु के स्कूल ऑफ लॉ, अलायंस यूनिवर्सिटी और नागपुर के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, दीक्षाभूमि विधि महाविद्यालय की टीमों ने प्रवेश किया।

इस निर्णायक दौर में पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ गठित की गई, जिसमें नागपुर उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मुरलीधर गिरटकर के साथ एडवोकेट अनिरुद्ध चांदेकर, एडवोकेट आशिष कडुकर, एडवोकेट यश कुल्लरवार और एडवोकेट अमोल हुंगे परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल ऑफ लॉ, अलायंस यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता में जीत हासिल की, जबकि नागपुर के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, दीक्षाभूमि विधि महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। डी. कृष्णा, जो बेंगलुरु की टीम का हिस्सा थे, को "सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी" का खिताब दिया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता सर्वोदय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष अरविंद सावकार पोरेड्डीवार ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व न्यायाधीश मुरलीधर गिरटकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रा. डॉ. पंकज काकडे ने की, जबकि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऐजाज शेख ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रतियोगिता विधि विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट मंच है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता को चंद्रपुर और गढ़चिरौली जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में विधि शिक्षा के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुख्य अतिथि मुरलीधर गिरटकर ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता भविष्य में वकालत करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक बेहतरीन अवसर प्रदान करती है। अध्यक्षीय भाषण में अरविंद सावकार पोरेड्डीवार ने आयोजन समिति और मूट कोर्ट क्लब के सभी सदस्यों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधि विद्यार्थियों का सामाजिक उत्तरदायित्व अन्य छात्रों की तुलना में अधिक होता है और उन्हें इस जिम्मेदारी को समझना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन एल.एल. बी प्रथम वर्ष की छात्राएं तस्मिया बेग और प्रगति बाला ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मूट कोर्ट क्लब की अध्यक्ष ममता मदान ने किया। इस कार्यक्रम की सफलता में मूट कोर्ट क्लब के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सोनी राजदान ने किया रिया का समर्थन

सुशांत सिंह राजपूत केस एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस मामले में सीबीआई ने हाल में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दे दी है। इसी के साथ एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को भी क्लीन चिट मिल गई। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के बाद अब आलिया भट्ट मां एक्ट्रेस सोनी राजदान रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में सामने आई हैं। सोनी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करते हुए एक्ट्रेस की इज्जत को धूमिल में मिलाने को लेकर सवाल किया है।सोनी राजदान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "क्या आपने ये सब तब सोचा था जब बेचारी को बेवजह जेल में डाल दिया। उसकी इज्जत मिट्टी में मिला दी। ये तो मॉर्डन समय में विच हंट था। अब सवाल ये है कि अब आपकी जवाबदेही कहां हैं? अब इसका भुगतान कौन करेगा?"सोनी राजदान के अलावा एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने भी एक इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, "पूरे मीडिया में किसके पास इतनी इंसानियत है कि रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार को माफीनामा लिखकर भेजे? आप लोग उसपर ऐसे टूट पड़े थे जैसे विच हंट पर हों. आपने सिर्फ़ टीआरपी के लिए उन्हें प्रताड़ित कर के रख दिया। माफी मांगिए। कम से कम आप इतना तो कर सकते हैं।"बता दें, सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद एक्टर के परिवार ने रिया चक्रवर्ती पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। ये भी कहा गया था कि रिया ने एक्टर एक पैसों का गलत इस्तेमाल किया है। एक्टर को सुसाइड के लिए उकसाने और ड्रग जैसे मामले में शामिल होने के आरोप थे। रिया को एक्टर के सुसाइड केस में क्लीन चिट मिल गई है।

गाली देकर तैश में पलटे अक्षय

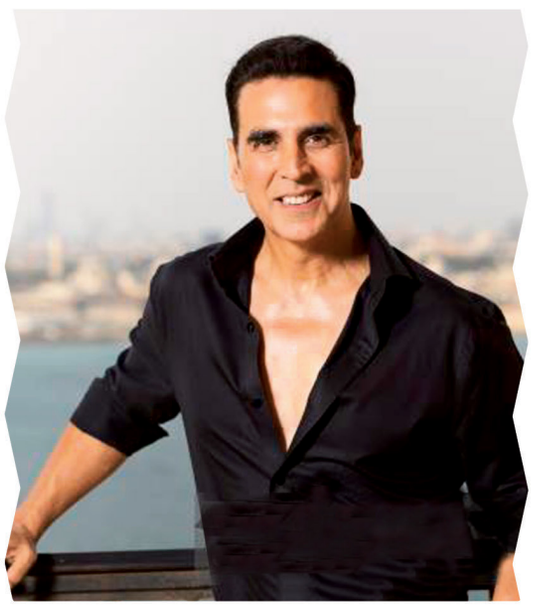

अक्षय कुमार स्टार 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला' का टीजर जारी कर दिया गया है। टीजर आते ही वायरल हो गया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ आर माधवन और अनन्या पांडे नजर आने वाले हैं। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' से जुड़ी अपडेट के लिए लोग लंबे वक्त से लोग इंतजार कर रहे थे। बीते दिन इसके आधिकारिक ऐलान के बाद आज शानदार टीजर रिलीज कर दिया गया है, जो दर्शकों को जलियांवाला बाग हत्याकांड का एक खौफनाक अनुभव दे रहा है। करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार द्वारा अभिनीत इस फिल्म में अनन्या पांडे और आर माधवन भी लीड रोल में हैं। अक्षय कुमार फिल्म में सर सी शंकरन नायर की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म का टीजर काफी दमदार है और इसके एक अंश में अक्षय कुमार कोर्टरूम में एक ब्रिटिश जज को गाली देते भी नजर आ रहे हैं।सर सी शंकरन नायर, एक वकील थे जिन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग कांड के बाद ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी थी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, केप ऑफ गुड फिल्म्स और लियो मीडिया कलेक्टिव मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। टीजर कहानी कहने का एक अलग अंदाज पेश कर रहा है, जो किसी भी दृश्य को दिखाए जाने से पहले बीस से तीस सेकंड की डरावनी पृष्ठभूमि ध्वनि के साथ शुरू होता है। ये आवाजें पीड़ितों की चीखें और जलियांवाला बाग में मारे जा रहे लोगों की भयानक चीखें सुनाती हैं। इसके साथ ही एक डिस्केलमर भी दिया गया है कि ये दृश्य इतने भयावह रहे हैं कि इन्हें दिखाया ही नहीं जा सकता। 'कृपया रुकें, भगवान के लिए' या 'उन्हें गोली मार दें' या 'दरवाजे बंद हैं', जैसे लाइन चीख पुकार के साथ सुनने के मिल रही हैं, जो शुरू में ही रोंगटे खड़े कर देने के लिए काफी हैं।

रिया पर मीडिया का हमला दिया मिर्जा ने दिया बड़ा बयान

सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट दे दी है। इसी के साथ एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को भी क्लीन चिट मिल गई है। एक्टर की डेथ के बाद दोनों को मीडिया और कोर्ट ट्रायल से गुजरना पड़ा था। जेल में भी दिन गुजारने पड़े थे। अब एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर करते हुए रिया चक्रवर्ती के लिए लिखित रूप से माफी मांगने की बात कही है।सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के बाद दीया मिर्ज़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में लिखा, ₹पूरे मीडिया में किसके पास इतनी इंसानियत है कि रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार को माफीनामा लिखकर भेजे? आप लोग उसपर ऐसे टूट पड़े थे जैसे विच हंट पर हों। आपने सिर्फ टीआरपी के लिए उन्हें प्रताड़ित कर के रख दिया। माफी मांगिए। कम से कम आप इतना तो कर सकते हैं।"सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के बाद रिया चक्रवर्ती के वकील ने भी मीडिया पर आरोप लगाए थे। मानेशिंदे ने कहा था, ₹सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जितनी झूठी कहानियां फैलाई गईं, वह पूरी तरह से गलत थीं। कोरोना महामारी के कारण, हर कोई टीवी और सोशल मीडिया से चिपका हुआ था और किसी भी बड़े घटनाक्रम के अभाव में, निर्दोष लोगों को मीडिया और जांच अधिकारियों के सामने परेशान किया गया और परेड कराई गई।" इस पुरे मामले में रिया और उनके परिवार की हिम्मत की तारीफ करते हुए उन्हें सैल्यूट करने की बात कही थी।बता दें, 14 जून 2020 को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का शव उनके ओशिवारा स्थित फ्लैट से मिला था। परिवार और एक्टर के फैंस ने डेथ का जिम्मेदार रिया चक्रवर्ती को ठहराया गया था। इस मामले में ड्रग एंगल भी सामने आया था।

भारत से ऑस्कर छीने जाने पर दीपिका ने जाहिर किया गुस्सा

दीपिका पादुकोण ने अकैडमी पर जमकर भड़ास निकाली है. उन्होंने कहा है कि ऐसी कई इंडियन फिल्में रही हैं जो ऑस्कर की हकदार थीं, लेकिन भारत को ऑस्कर छीना गया. साथ ही उन्होंने आरआरआर के 'नाटू नाटू' गाने को ऑस्कर मिलने वाले पलों को भी याद किया.दीपिका पादुकोण ने अकैडमी पर जमकर भड़ास निकाली है. उन्होंने कहा है कि ऐसी कई इंडियन फिल्में रही हैं जो ऑस्कर की हकदार थीं, लेकिन भारत को ऑस्कर छीना गया. साथ ही उन्होंने आरआरआर के 'नाटू नाटू' गाने को ऑस्कर मिलने वाले पलों को भी याद किया.आज के दौर की सबसे कामयाब एक्ट्रेसेस में शुमार दीपिका पादुकोण ने हाल ही में ऑस्कर अवॉर्ड पर जमकर भड़ास निकाली है. उन्होंने ऑस्कर पर उन भारतीय फिल्मों के लिए भड़ास निकाली है जो उनकी नजर में इसकी हकदार थीं. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके अपना गुस्सा जाहिर किया है.दीपिका पादुकोण ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक वीडियो शेयर किया है. इसमें एक्ट्रेस लुई विटॉन शो के लिए तैयार होती हुई नजर आ रही हैं. दीपिका इस ब्रांड के द्वारा बतौर एंबेसडर चुनी गईं पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं. वीडियो में तैयार होते हुए दीपिका बातचीत कर रही हैं. इस दौरान वो ऑस्कर पर भड़कती हुई नजर आईं. उन्होंने वो पल भी याद किया जब 'आर-आरआर' फिल्म के गाने 'नाटू नाटू' को ऑस्कर मिला था. और वो इमोशनल हो गई थीं.वीडियो की शुरुआत में दीपिका पादुकोण ने एक्टर एड्रियन ब्रॉडी के ऑस्कर जीतने पर खुशी जाहिर की. उनसे सवाल किया गया था कि इस साल ऑस्कर अवॉर्ड की किस जीत पर वो सबसे ज्यादा एक्साइटेड हुईं? इस पर दीपिका ने कहा जब एड्रियन ब्रॉडी ने बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता था तो वो काफी खुश थीं. एड्रियन को फिल्म 'द ब्रूटलिस्ट' के लिए लिए ऑस्कर से नवाजा गया था.

समृद्धि शुक्ला ने साबित किया...

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आए हुए जेनरेशन लीप में कई कलाकारों ने इस शो को अलविदा कहा. अब तक इस शो में लगभग 3 बड़े लीप आ चुके हैं. लेकिन हिना खान और शिवांगी जोशी के मुकाबले समृद्धि को इस शो के दौरान बड़े चैलेंज का सामना करना पड़ा. लेकिन फिर भी जो स्टार एक्ट्रेसेस से नहीं हो पाया, वो कमाल अब इस शो की नई लीड समृद्धि शुक्ला करके दिखा रही हैं.स्टार प्लस का मशहूर टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' पिछले 16 सालों से दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है. आज भी राजन शाही के इस शो की कहानी दर्शकों को टीवी से बांधे रखती है. मेकर्स की तरफ से पूरी कोशिश की जाती है कि हर दिन 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के एपिसोड में एक ऐसा ट्विस्ट आए, जिसे देख लोगों के दिल में अगले दिन का एपिसोड देखने की उत्सुकता बढ़ जाए. हिना खान से इस शो की शुरुआत हुई थी. हिना खान के बाद शिवांगी जोशी के कंधों पर इस शो की जिम्मेदारी सौंपी गई. लेकिन इन दोनों के मुकाबले समृद्धि शुक्ला के लिए ये सफर बहुत मुश्किल था. लेकिन उन्होंने अब तक इस शो में वो कर दिखाया है, जो हिना खान और शिवांगी जोशी कभी कर नहीं पाईं.हिना खान के समय उन्हें करण मेहरा का हमेशा साथ मिला और शिवांगी जोशी को भी उनके को-स्टार मोहसिन खान ने हर कदम पर सपोर्ट किया. लेकिन समृद्धि शुक्ला के साथ ऐसा नहीं था. शुरुआत में शहजादा धामी उनके को-स्टार थे. सूत्रों की मानें तो शहजादा के अनप्रोफेशनल रवैये के चलते समृद्धि शुक्ला के साथ उनके कई को-स्टार को शूटिंग के समय दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. बढ़ती बदतमीजी के चलते जब शहजादा को शो से टर्मिनेट किया गया, तब रोहित पुरोहित ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में एंट्री की.

इमरान की 'आवारापन 2' से रोमांटिक ट्विस्ट का इंतजार

इमरान हाशमी एक बार फिर आशिक वाले किरदार में नजर आने वाले हैं. वह अपनी 18 साल पुरानी फिल्म का रीमेक लेकर आ रहे हैं. इमरान हाशमी जल्द फिल्म आवारापन 2 में नजर आने वाले हैं.इमरान हाशमी एक बार फिर आशिक वाले किरदार में नजर आने वाले हैं. वह अपनी 18 साल पुरानी फिल्म का रीमेक लेकर आ रहे हैं. इमरान हाशमी जल्द फिल्म आवारापन 2 में नजर आने वाले हैं. इस बात की घोषणा उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए की है. साथ ही आवारापन 2 की रिलीज डेट की घोषणा भी कर डाली है.इमरान हाशमी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपने फैंस के लिए खास पोस्ट भी शेयर करते रहते हैं. उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. यह वीडियो आवारापन के कुछ सीन्स का है. जो आपको पुरानी फिल्म की याद दिलाता है. इस वीडियो के साथ इमरान हाशमी ने फिल्म से जुड़ा एक डायलॉग लिखा, 'बस मुझे कुछ और देर जिंदा रख. इसके साथ उन्होंने बताया है कि आवारापन 2 अगले साल 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. बात करें फिल्म आवारापन की तो यह साल 2007 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. आवारापन को डायरेक्टर मोहित सुरी ने डायरेक्ट किया था.

किसिंग कंट्रोवर्सी से टूटा परिवार

बॉलीवुड के मशहूर गायक उदित नारायण हाल ही में एक वीडियो को लेकर चर्चा में आ गए थे, जिसमें उन्हें एक महिला फैन के साथ मंच पर किस करते हुए देखा गया था. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और इस पर कई तरह के रिएक्शन्स आए, लेकिन उदित नारायण को इस विवाद से कोई फर्क नहीं पड़ा. एक इंटरव्यू में उदित नारायण से जब इस घटना पर सवाल किया गया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ₹मेरा करियर चार दशक से भी लंबा है. मैंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है, और प्रशंसकों का प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ी अचीवमेंट है. जब कोई मुझे गाने के लिए प्यार और प्रशंसा देता है, तो मुझे खुशी होती है, न कि परेशानी.₹उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी दीपा नारायण अकसर उनके कॉन्सर्ट में मौजूद रहती हैं और उन्हें फैंस से मिलने वाले प्यार से कोई दिक्कत नहीं होती.उदित नारायण ने बताया कि उनकी पत्नी और परिवार इस तरह की बातों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते. ₹वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने खूब मजाक बनाया, और मैं खुद भी इस पर खूब हंसा. मेरी पत्नी को भी पता है कि फैंस का प्यार ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए ऐसी चीजें हमारे परिवार को प्रभावित नहीं करतींउदित नारायण ने अपने करियर में कई सुपरहिट गाने दिए हैं, जिनमें 'दिल तो पागल है' , 'कुछ कुछ होता है' , 'कहो ना प्यार है' और 'चांद छुपा बादल में' जैसे सॉन्ग्स शामिल हैं. हाल ही में वे इंडियन आइडल में बतौर गेस्ट जज नजर आए, जहां उनके बेटे आदित्य नारायण शो होस्ट कर रहे थे.उदित नारायण ने यह साबित कर दिया कि वे विवादों से परेशान नहीं होते और अपने फैंस के प्यार को दिल से अपनाते हैं. उनके लिए सबसे इंपॉर्टेंट चीज उनका संगीत और दशकों से उनके प्रति लोगों का अटूट प्यार है.

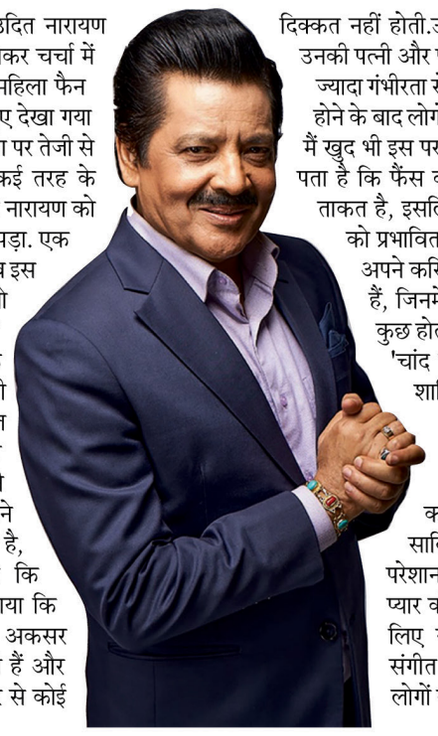

'मिल्की ब्यूटी'पर तमन्ना का तीखा रिएक्शन

तमन्ना भाटिया की फिल्म ओडेला 2 की रिलीज डेट आ चुकी है। मूवी 17 अप्रैल को रिलीज होगी। एक पोस्टर के साथ रीसेंटली तमन्ना ने यह जानकारी साझा की है। ओडेला 2 तेलुगू मूवी है। इसमें तमन्ना साध्वी शिवा शक्ति का रोल कर रही हैं। फिल्म से जुड़े एक इवेंट के दौरान एक जर्नलिस्ट ने डायरेक्टर से पूछा कि इस 'मिल्की ब्यूटी' को क्या सोचकर साध्वी का रोल दिया। तमन्ना ने इस पर जो जवाब दिया उसकी तारीफ हो रही है।फिल्म की प्रेस मीट के दौरान एक जर्नलिस्ट ने तमन्ना को 'मिल्की ब्यूटी' होने की वजह से शिवा शक्ति के रोल में न फिट होने वाला बताया। इस पर भड़की तमन्ना ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया।

सोनल ने फैंस को बनाया दीवाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनल चौहानअपनी स्टाइलिश और ग्लैमरस तस्वीरों के लिए जानी जाती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी हर पोस्ट वायरल हो जाती है और फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफें करते नहीं थकते. इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ जब सोनल ने मालदीव वेकेशन की कुछ हॉट और स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं. उनका यह बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर सनसनी मचा रहा है.इन लेटेस्ट फोटोज में सोनल चौहान मालदीव के खूबसूरत बीच पर पोज देती नजर आ रही हैं. खुले आसमान और नीले समंदर के बैकग्राउंड में उनकी यह तस्वीरें किसी फिल्मी सीन से कम नहीं लग रही हैं.सोनल ने अपने वेकेशन लुक के लिए मल्टीकलर बिकिनी चुनी है, जिसे पहनकर वो पानी में इठलाती हुई पोज देती नजर आ रहीं हैं. इस लुक में वह बेहद स्टनिंग और हॉट लग रही हैं.ब्लैक सनग्लासेस और ओपन हेयर ने उनके लुक को और भी ज्यादा अट्रैक्टिव बना दिया है.सोशल मीडिया पर सोनल चौहान की यह तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं. जिसपर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, ₹हॉटनेस ओवरलोडेड₹, तो वहीं दूसरे फैन ने लिखा, ₹समंदर भी तुम्हारी खूबसूरती के आगे फीका लग रहा है.₹सोनल चौहान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से जो तस्वीरें शेयर की हैं, वो तेजी से वायरल हो रहीं हैं. इनमें अलग-अलग तस्वीरों में एक्ट्रेस शानदार पोज देती नजर आ रहीं हैं, एक फोटो में यह हसीना मालदीव के नीले समंदर किनारे ग्लैमरस पोज दे रहीं हैं.

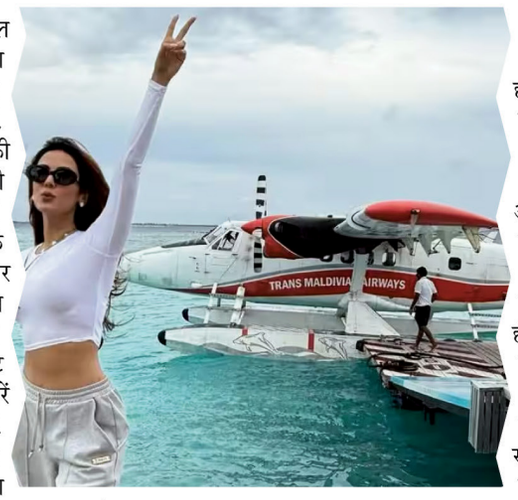

अब साउथ देखेगा ढाई किलो के हाथ की ताकत

सनी देओल ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'जाट' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है. इस फिल्म में उनका एक्शन अवतार देखने को मिलने वाला है, जिसकी झलक मेकर्स ने ट्रेलर वीडियो के जरिए दिखा दी है. दिसंबर 2024 में इस फिल्म का टीजर आया था उसके बाद से ही मेकर्स इस फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं.सनी देओल ने दिसंबर 2024 में अपनी अपकमिंग फिल्म 'जाट' का टीजर रिलीज करके अपने तमाम चाहने वालों को फिल्म के लिए एक्साइटेड कर दिया था. अब उन्होंने उस उत्सुकता को और भी बढ़ाने के इंतजाम कर दिया है. वो इस फिल्म का ट्रेलर लेकर आ चुके हैं. सोमवार को इस फिल्म का ट्रेलर वीडियो रिलीज किया गया.
माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के ट्रेलर में सनी देओल का अंदाज काफी जबरदस्त लग रहा है. वो एक्शन करते दिख रहे हैं और दुश्मनों पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं. ट्रेलर की शुरुआत में सबसे पहले सैयामी खेर की एंट्री होती है, जो पुलिस ऑफिसर के रोल में दिख रही हैं. उनका किरदार काफी दमदार लग रहा है. वो पूछती हैं कि इस गांव में क्या हुआ है. सारे गांव वाले डरे-सहमे नजर आ रह हैं. तभी एक बच्चा राणातुंगा का नाम लेता है.ट्रेलर देखकर ऐसा लग रहा है कि फिल्म में उनके और रणदीप हुड्डा के बीच तगड़ी फाइट होने वाली है. सनी देओल कहते हैं, "इस ढाई किलो के हाथ की ताकत पूरा नॉर्थ देख चुका है अब साउथ देखेगा." गौरतलब है कि इस फिल्म को साउथ के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी ने डायरेक्ट किया है. उसी संदर्भ में सनी का ये डायलॉग है.इस ट्रेलर में गोलीबारी, स्टंट, फाइटिंग सीक्वेंस की कोई कमी नही है. देखकर लग रहा है कि 'जाट' के नाम का शोर बॉक्स ऑफिस पर जोरों-शोरों से सुनाई देने वाला है. ये फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

आईपीएल के 18वें सीजन का 5वां मुकाबला आज

अहमदाबाद में बरसेंगे रन या लगेगी विकेटों की झड़ी

अहमदाबाद.आईपीएल के 18वें सीजन का 5वां मुकाबला गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच मंगलवार (25 मार्च) को अहमदाबाद में खेला जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मुकाबले में दोनों टीमें भारतीय समयानुसार, शाम 7:30 बजे आमने-सामने होंगी। गुजरात टाइटंस टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि पंजाब किंग्स टीम का नेतृत्व श्रेयस अय्यर करते हुए नजर आएंगे। पिछले सीजन गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था

, जहां दोनों टीमें 5-5 जीत के साथ क्रमशः 8वें और 9वें नंबर पर थी और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। ऐसे में दोनों टीमें मौजूदा सीजन में जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों को पिच के मिजाज पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। इतना ही नहीं टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 17 मुकाबले में जीत हासिल की है। वहीं, टॉस हारने वाली टीम ने 18 मैच में जीत दर्ज की है। इस मैदान पर सर्वोच्च टीम स्कोर 233/3 है, जिसे गुजरात टाइटंस ने 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाया था।

इस मैदान पर न्यूनतम टीम स्कोर का रिकॉर्ड भी गुजरात टाइटंस के नाम है, जिसे उसने 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बनाया था। इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला खेला गया, जितने पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से हराया था।

लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को अधिक जीत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जोकि, हाई स्कोरिंग के लिए आदर्श परिस्थितियां प्रदान करती हैं। हालांकि शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, पिच से स्पिनरों को मदद मिल सकती है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल के कुल 35 मैच खेले गए हैं, जहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 15 मैच में जीत हासिल की है, जबकि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को 20 मुकाबले में जीत मिली है।

बीसीसीआई ने किया नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

-इन 16 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली.भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने साल 2024-25 के लिए महिला क्रिकेटर्स की नई कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी कर दी है. बीसीसीआई ने इस बार टीम इंडिया की 16 महिला खिलाड़ियों को सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिए जाने का ऐलान किया है. बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटर्स की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट को तीन कैटेगरी में बांटा है. 16 में से 3 खिलाड़ियों को ग्रेड ए में रखा है. वहीं, ग्रेड बी में 4 खिलाड़ी अपनी जगह बनाने में कामयाब रही हैं. इनके अलावा 9 खिलाड़ियों को ग्रेड सी में जगह दी गई है. ये कॉन्ट्रैक्ट 1 अक्टूबर, 2024 से 30 सितंबर, 2025 तक के लिए है.

बीसीसीआई ने ग्रेड ए में कप्तान हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना और दीप्ती शर्मा को ग्रेड ए कैटेगरी में जगह दी है. वहीं बी ग्रेड में 4 खिलाड़ियों को जगह मिली है. ये 4 खिलाड़ी रेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष और शेफाली वर्मा हैं. इनके अलावा यस्तिका भाटिया, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, उमा छेत्री,

स्नेह राणा और पूजा वस्त्रकार को ग्रेड सी में रखा गया है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने प्रेस रिलीज करते हुए इसका ऐलान किया.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रेड ए में शामिल हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ती शर्मा को 50-50 लाख रुपए मिलेंगे. वहीं, रेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष और शेफाली वर्मा को 30-30 लाख रुपए दिए जाएंगे. इनके अलावा ग्रेड सी में शामिल सभी 9 खिलाड़ियों को साल के 10-10 लाख रुपए मिलेंगे. पिछले साल भी तीनों ग्रेड के लिए यही रकम दी गई थी.

बता दें, बीसीसीआई महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक जैसी मैच फीस देती है. लेकिन सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बहुत बड़ा अतंर है. पुरुष खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में चार कैटेगरी हैं, जिसमें ग्रेड ए प्लस भी, इस ग्रेड के खिलाड़ियों को 7 करोड़ रुपए मिलते हैं. वहीं, ग्रेड ए कैटेगरी में 5 करोड़ रुपए, ग्रेड बी में तीन करोड़ रुपए और ग्रेड सी में शामिल खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए सलाना मिलता है.

बांग्लादेशी क्रिकेटर तमीम इकबाल को आया हार्ट अटैक

नई दिल्ली. इधर भारत में आईपीएल का रोमांच सिर चढ़कर बोल रहा है. मगर उधर बांग्लादेश में ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग के मैच के दौरान बांग्लादेशी खिलाड़ी तमीम इकबाल को अचानक अस्पताल पहुंचाने की नौबत आ गई. ऐसी रिपोर्ट है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है.

दरअसल, मैच के दौरान ही बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल के सीने में अचानक दर्द उठा, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया.मामले की गंभीरता को भांपते हुए पहले तमीम इकबाल को अस्पताल ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का इंतजाम किया गया था, मगर मैदान से उड़ान भरने की व्यवस्था नहीं होने की वजह से वो हेलीकॉप्टर से नहीं जा सके. इस बारे में घटना वाले मैच के रेफरी देबब्रत पॉल ने जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर से नहीं जा सकने के बाद तमीम को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया.

डीपीएल के जिस मैच में ये घटना घटी वो मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब और शिनेपुकुर क्रिकेट क्लब के बीच खेला जा रहा था. 50-50 ओवर के इस मैच में तमीम इकबाल के सीने में जब दर्द उठा तब वो फील्डिंग कर रहे थे.मुकाबले में तमीम इकबाल मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब का हिस्सा थे. मैच में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ शिनेपुकुर क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग की और 49.5 ओवर में 223 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. शिनेपुकुर क्रिकेट क्लबकी ओर से सबसे ज्यादा 77 रन उसके कप्तान रायन रहमान ने बनाए.अब मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के सामने 224 रन की चुनौती है. तमीम इकबाल इस टीम के स्टार बल्लेबाज हैं. ऐसे में उनका इस रनचेज के दौरान ना होना टीम को कितना खलता है, ये तो अब मैच के बाद ही पता चलेगा.

आईपीएल 2025 में 300 रन बनाने की संभावना

नई दिल्ली.आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2025 की शानदार शुरुआत हो चुकी है। तीन मैच हो चुके हैं और प्रशंसकों को वह सब कुछ मिल चुका है जिसकी वे उम्मीद कर सकते थे। पैट कमिंस की अगुआई वाली सनराइजर्स हैदराबाद ने टूर्नामेंट के दूसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

रॉयल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने खेल की पहली पारी में 286 रन बनाए, जो आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। टीम द्वारा बोर्ड पर इतना बड़ा स्कोर बनाए जाने के बाद, कई लोग इस बात पर चर्चा करने लगे हैं कि क्या एसआरएच आईपीएल के इस संस्करण में एक पारी में 300 रन बना पाएगा। इसी बारे में बात करते हुए, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने केंद्र स्तर पर बात की और भविष्यवाणी की कि आईपीएल 2025 में 300 का स्कोर कब पार किया जाएगा। स्टेन ने भविष्यवाणी की कि 17 अप्रैल वह तारीख होगी जब 300 रन का आंकड़ा पार किया जाएगा।

यह जानना दिलचस्प है कि 17 अप्रैल को मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 के 33वें मैच में वानखेड़े स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगी। पिछले कुछ सालों से सनराइजर्स हैदराबाद जिस तरह का प्रदर्शन कर रही है, उसे देखते हुए आने वाले मैचों में टीम को बड़ा स्कोर बनाने की जरूरत है। इसके अलावा, वानखेड़े स्टेडियम को बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग के रूप में भी जाना जाता है।

मुंबई के मैदान पर अक्सर हाई-स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलते हैं और डेल स्टेन के अनुसार,एमआई और एसआरएच के बीच मुकाबला वह दिन हो सकता है जब 300 का आंकड़ा पार किया जा सकता है। हैदराबाद ने

आईपीएल में अब तक के सबसे बड़े टीम स्कोर का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है और उन्हें अपने आगामी मैचों में एक और अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद होगी।

युवराज सिंह ने खेले 132 आईपीएल मैच

नई दिल्ली. एक घटना पल भर में पूरी जिंदगी बदल सकती है. और, कुछ ऐसा ही युवराज सिंह की लाइफ में भी हुआ था. युवराज भले ही भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे. भले ही उन्होंने सिक्सर किंग का तमगा हासिल किया. मगर शुरू-शुरू में इस खेल को लेकर उनके इरादे गंभीर नहीं थे. ऐसे में पिता योगराज सिंह पर जब दुखों का पहाड़ टूटा तो उसके साथ क्रिकेट के लिए युवराज सिंह की सीरियसनेस भी पहली बार देखने को मिली. वो पहली बार था जब उन्होंने खुद से अपने पिता को कहा था- चलिए प्रैक्टिस करते हैं.युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने खुद ये स्टोरी एक इंटरव्यू में बताई है.

डेविड वार्नर होंगे कराची किंग्स के कप्तान

नई दिल्ली.ऑस्ट्रेलिया के स्टार डेविड वार्नर को पाकिस्तान सुपर लीग 2025 के आगामी सत्र के लिए कराची किंग्स का कप्तान नियुक्त किया गया है, फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। वॉर्नर, जिन्हें इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में नहीं चुना गया था, 11 अप्रैल से शुरू होने वाले पीएसएल में खेलेंगे। फ्रैंचाइज़ी ने वॉर्नर के कारनामों पर प्रकाश डाला क्योंकि वह किंग्स की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। फ्रैंचाइज़ी ने एक बयान में लिखा, "विश्व कप विजेता और टी20 क्रिकेट के सबसे विस्फोटक सलामी बल्लेबाजों में से एक वॉर्नर इस भूमिका में भरपूर अनुभव लेकर आते हैं। बयान में कहा गया, "बिग बैश लीग (बीबीएल) सहित वैश्विक लीगों में एक दशक से अधिक के नेतृत्व के साथ, वार्नर किंग्स के लिए एक नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार हैं।"

इस बीच, कराची फ्रैंचाइज़ ने पिछले सीजन के कप्तान शान मसूद को भी फ्रैंचाइज़ में उनकी भूमिका के लिए धन्यवाद दिया।"हम डेविड वार्नर का हमारे नए कप्तान के रूप में कराची किंग्स परिवार में स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। एक लीडर और मैच विजेता के रूप में उनका ट्रैक रिकॉर्ड एचबीएल पीएसएल 10 के लिए हमारे विज़न से पूरी तरह मेल खाता है। साथ ही, हम पिछले सीजन में उनके असाधारण योगदान के लिए शान मसूद की गहरी सराहना करते हैं। एक मजबूत नींव बनाने में उनके प्रयास महत्वपूर्ण थे, और हम टीम में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उनकी निरंतर भूमिका की उम्मीद करते हैं," कराची किंग्स के मालिक सलमान इकबाल ने कहा। कराची की टीम ने 2020 में एक बार पीएसएल का खिताब जीता था। वे 2021 में प्लेऑफ़ में थे, लेकिन तब से नॉकआउट तक नहीं पहुँच पाए हैं क्योंकि वे तीन बार सीधे लीग चरण में हार गए हैं। 2020 में अपनी खिताबी जीत से पहले, वे 2016 से 2019 तक हर सीज़न में प्लेऑफ़ में पहुँचे थे।

बांग्लादेश के कप्तान ने दी सुनील छेत्री को चेतावनी

नई दिल्ली. भारत और बांग्लादेश के बीच एएफसी एशियन कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा। इस मैच में बांग्लादेश की ओर से इंग्लिश प्रीमियर लीग खिलाड़ी हमजा चौधरी भी खेलने जा रहे हैं, जिसे लेकर उनके कप्तान जमाल भुयान काफी उत्साहित हैं। जमाल ने यहां तक कह दिया कि हमजा की भारतीय दिग्गज सुनील छेत्री से कोई तुलना नहीं है। गौरतलब है कि छेत्री ने भी हाल में संन्यास से वापसी की है। उन्होंने भारत को मालदीव पर शानदार जीत दिलाकर दमदार वापसी की थी, लेकिन बांग्लादेशी कप्तान का मानना है कि छेत्री उनके स्टार हमजा के आगे टिक नहीं पाएंगे।

हमजा प्रीमियर लीग में शेफील्ड यूनाइटेड के लिए खेलते हैं, जिसने उसे लीसेस्टर सिटी से लोन पर लिया है। बांग्लादेशी कप्तान ने कहा, हमजा हमारे मेसी हैं, वे इंग्लिश प्रीमियर लीग में खेलते हैं उनका अनुभव काफी है। छेत्री ने भारत के लिए काफी उपलिब्धयां हासिल की हैं, लेकिन ईमानदारी से कहें तो हमजा प्रीमियर लीग खिलाड़ी हैं जिसका स्तर काफी ऊंचा है।हमजा का जन्म इंग्लैंड के लीस्टरशायर में हुआ था

और वे इंग्लैंड की अंडर-21 व अंडर-23 फुटबॉल टीम के लिए खेल चुके हैं। उनकी मां बांग्लादेशी हैं, इसलिए वे इस देश की राष्ट्रीय टीम से खेलने के पात्र हैं। हमजा ने सात साल की उम्र से फुटबॉल खेलना शुरू किया था। उन्हें जल्द ही लीसेस्टर सिटी एकेडमी में दाखिला मिल गया था। 2017 में उन्होंने प्रीमियर लीग में डेब्यू किया।

भारत के खिलाफ अहम मैच से पहले हमजा ने कहा, हमारी टीम काफी अच्छी है, अगर हम कड़ी मेहनत करें तो कुछ भी हासिल कर सकते हैं। मैं एक अलग माहौल से यहां आया हूं।

भोजपुरी कमेंट्री के फैन हुए धोनी

नई दिल्ली.भारत के दिग्गज एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में क्षेत्रीय भाषा की कमेंट्री की पहल की सराहना की और भोजपुरी कमेंट्री के लिए अपनी प्रशंसा प्रकट की, इसे "ऊर्जावान" बताया और कहा कि यह उन्हें पुराने जमाने की रेडियो कमेंट्री की याद दिलाती है। भोजपुरी ने आईपीएल 2023 के दौरान कमेंट्री फीड में अपनी शुरुआत की और प्रशंसकों को चौंका दिया। इस साल,आईपीएल का 18वां सीजन 16 फीड पर लाइव स्ट्रीमिंग कर रहा है, जिसमें 12 भाषाएं:अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, हरियाणवी, बंगाली, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती और पंजाबी शामिल हैं।

धोनी ने कहा,"मैंने क्षेत्रीय भाषा की कमेंट्री ज़्यादा नहीं सुनी है क्योंकि जब हम लाइव मैच देखते हैं, तो रिप्ले सीमित होते हैं और ज्यादातर कमेंट्री मैं अंग्रेजी या हिंदी में सुनता हूं। इससे हमें खेल का बेहतर विश्लेषण करने में मदद मिलती है। निजी तौर पर, मुझे कमेंटेटरों की बातें सुनना भी पसंद है क्योंकि उनमें से ज्यादातर पूर्व खिलाड़ी होते हैं। जबकि मैं एक सीजन में 17 मैच खेल सकता हूं, वे अलग-अलग टूर्नामेंट और देशों में सैकड़ों मैच कवर करते हैं। विभिन्न परिस्थितियों और टीमों के बारे में उनका अनुभव काफी ज्यादा है।

उन्होंने आगे कहा,"खिलाड़ी होने के नाते, हम अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को जानते हैं, लेकिन कमेंट्री सुनने से आपको एक बाहरी व्यक्ति का नजरिया मिलता है। इससे नए विचार आते हैं. जैसे 'हम इस दृष्टिकोण को क्यों नहीं आजमाते?' जिसका मूल्यांकन फिर बुद्धिमत्ता और डेटा के आधार पर किया जा सकता है ताकि यह देखा जा सके कि यह टीम की रणनीति के अनुकूल है या नहीं।

धोनी ने कहा, "मैंने बहुत ज्यादा क्षेत्रीय कमेंट्री नहीं सुनी है, लेकिन मुझे पता है कि भोजपुरी कमेंट्री बहुत ऊर्जावान होती है। यह मुझे पुराने जमाने की रेडियो कमेंट्री की याद दिलाती है, जहां कमेंटेटर बहुत ज्यादा शामिल होते थे। मुझे यह बहुत दिलचस्प लगता है।

बहुत से लोग अपनी क्षेत्रीय भाषा में सुनना पसंद करते हैं. यह उनकी मातृभाषा है, और वे इस तरह से खेल का अनुभव करना चाहते हैं। मैं हरियाणवी कमेंट्री सुनना पसंद करूंगा क्योंकि यह काफी अनोखी होती है।" धोनी 2025 के टूर्नामेंट में अपना 18वां सीजन खेल रहे हैं और उन्होंने अब तक 265 मैच खेले हैं और 24 अर्धशतकों के साथ 5,243 रन बनाए हैं।

जोकोविच ने तोड़ा राफेल नडाल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली.नोवाक जोकोविच ने मियामी ओपन में अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली को हराकर रिकॉर्ड 411वीं एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीत हासिल की, जिससे स्पेन के राफेल नडाल के साथ उनकी बराबरी टूट गई। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने लकी लूजर कैराबेली पर तीसरे दौर में 6-1, 6-0 से जीत दर्ज की। सर्बियाई खिलाड़ी ने 409 मास्टर्स 1000 जीत के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जो उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी से सिर्फ एक पीछे था। उन्होंने रिंकी हिजिकाटा पर शुरुआती दौर की जीत के बाद नडाल के साथ सबसे ज्यादा मास्टर्स 1000 जीत की बराबरी की।

मास्टर्स 1000 स्तर पर सबसे ज्यादा खिताब (40), फाइनल (59) और सेमीफाइनल (78) जीतने वाले जोकोविच ने 1990 में सीरीज की शुरुआत के बाद से अब तक सबसे ज्यादा मैच जीतने (410) के मामले में नडाल को पीछे छोड़ दिया है, जब उन्होंने रविवार को अपना 411वां मास्टर्स 1000 मैच जीता। जोकोविच ने कहा, "मैं एक और मील का पत्थर हासिल करके, एक और रिकॉर्ड तोड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। जब भी मैं खेलता हूं, हमेशा कुछ न कुछ दांव पर लगा होता है और निश्चित रूप से यह मुझे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।" मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी पहली जीत के लगभग 20 साल बाद जोकोविच की 411वीं जीत आई है। पूर्व नंबर 1 ने 2005 में पेरिस में विक्टर हनेस्कु को हराकर उस स्तर पर अपनी पहली जीत हासिल की थी। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने तब से रिकॉर्ड 40 मास्टर्स 1000 खिताब जीते हैं, जिसमें से उनका पहला खिताब 2007 में मियामी में आया था। 2018 में वे सभी नौ मास्टर्स 1000 इवेंट जीतने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी बन गए। 2020 तक, उन्होंने प्रत्येक टूर्नामेंट को कम से कम दो बार जीता था।

एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, अब उनका मास्टर्स 1000 इवेंट में 411-91 का रिकॉर्ड है। 37 वर्षीय सर्ब,

जो अपने सातवें मियामी ओपन खिताब के लिए प्रयासरत हैं, जो आंद्रे अगासी को सबसे अधिक खिताबों से पीछे छोड़ देगा, 16वें राउंड में 23 वर्षीय इतालवी लोरेंजो मुसेट्टी, 15वें सीड, से भिड़ेंगे। जोकोविच 2023 के बाद से अपने पहले मास्टर्स 1000 खिताब की तलाश में हैं, जब उन्होंने पेरिस में जीत हासिल की थी।

सांसदों के वेतन, दैनिक भत्ते और पेंशन में बढ़ोत्तरी

> केन्द्र सरकार से सांसदों को बड़ा तोहफा

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने सांसदों की सैलरी, दैनिक भत्ते और पेंशन में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की है। संसदीय कार्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, 1 अप्रैल 2023 से यह संशोधित वेतनमान लागू होगा। केंद्र सरकार ने महंगाई को ध्यान में रखते हुए सदस्य वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 के तहत वेतन और पेंशन में संशोधन किया है। सोमवार को जारी एक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, केंद्र ने 1 अप्रैल, 2023 से सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में बढ़ोतरी की है। लोकसभा और राज्यसभा सांसदों का वेतन वर्तमान एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.24 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है, जबकि दैनिक भत्ता 2000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा सांसदों को उनके वेतन और भत्तों के अलावा कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। इसमें 70000 रुपये प्रति माह का निर्वाचन क्षेत्र भत्ता शामिल है, जिसका इस्तेमाल उनके चुनावी क्षेत्रों में किया जाना है। उन्हें कार्यालय खर्च के लिए हर महीने 60000 रुपये भी मिलते हैं, जिसमें कर्मचारियों के वेतन, दूरसंचार और स्टेशनरी का खर्च शामिल है। इसके अलावा, वे प्रति वर्ष 50000 यूनिट मुफ्त बिजली और 4000 किलोलीटर मुफ्त पानी के भी पात्र हैं। सांसदों के साथ-साथ उनके निकटतम परिवार के सदस्यों को भी मुफ्त चिकित्सा देखभाल के लिए केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत कवर किया जाता है।

पूर्व सांसदों की पेंशन में भी हुई बढ़ोतरी

संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पूर्व सांसदों को दी जाने वाली पेंशन वर्तमान 25000 रुपये से बढ़ाकर 31000 रुपये प्रति माह कर दी गई है। इसमें कहा गया है कि पांच वर्ष से अधिक की सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दी गई है। संसद के चालू बजट सत्र के दौरान सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में संशोधन की घोषणा की गई है। वर्तमान और पूर्व सांसदों को दिए जाने वाले तीन तत्वों में पिछली बार अप्रैल 2018 में संशोधन किया गया था।

वर्क फ्रॉम होम पर लड़ा जा रहा राष्ट्रीय चुनाव

> भ्रष्टाचार और रोजगार मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश

कैनबेरा.

ऑस्ट्रेलिया में मई के महीने में चुनाव हो सकते हैं. इन चुनावों को लेकर देश की पार्टियां अपनी-अपनी तैयारी कर रही हैं, लेकिन ये चुनाव न भष्ट्राचार-न रोजगार और न ही मूल मुद्दों पर लड़ा जा रहा है. ये चुनाव मूल मुद्दों से हटकर वर्क फ्रॉम के मुद्दे पर लड़ा जा रहा है. यहां की मुख्य पार्टियों में इसी मुद्दे पर चुनाव लड़ रही हैं, एक पार्टी वर्क फ्रॉम होम के सपोर्ट में तो दूसरी पार्टी इसके विरोध में है. यही कारण है कि ये चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है. लिबरल पार्टी ने सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा है, जबकि लेबर पार्टी इसे जारी रखने के पक्ष में है.

लेबर पार्टी ने वर्क फ्रॉम होम को सपोर्ट करने के पीछे के कई कारण बताए हैं. इसके पीछे बड़ा कारण महंगाई है. पार्टी ने कहा कि आज के समय में महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिसके कारण ट्रेवल से लेकर खाना पीना, रहना सब कुछ महंगा हो रहा है. ऐसे में अगर कर्मचारी अपने घर से काम करता है तो उसका पैसा बचेगा. इसके साथ ही उसके फालतू के खर्च बचेंगे.

लेबर पार्टी की मुख्य कार्यकारी मिशेल ओ'नील ने कहा कि लाखों कर्मचारी अगर वापस ऑफिस काम करना शुरू करते हैं, तो इससे ट्रैफिक बढ़ेगा. ऐसा होने से कर्मचारी अपने परिवार और बच्चों के साथ बहुत कम समय बिता पाएंगे. ऑस्ट्रेलियाई ट्रेड यूनियन परिषद ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप यातायात की भीड़ बढ़ने से लाखों और कर्मचारियों पर असर पड़ेगा.

ऑस्ट्रेलिया में लिबरल पार्टी ने पिछले दिनों कहा था कि अगर वह आने वाले चुनाव में चुनकर आती है तो वे वर्क फ्रॉम होम को पूरी तरह खत्म कर देगी. केवल असाधारण परिस्थिति में ही ये सुविधा उपलब्ध रहेगी, इसके लिए बाकायदा जांच की जाएगी तब जाकर किसी कर्मचारी को वर्क फ्रॉम होम दिया जाएगा.

आप सरकार के समय घाटे में चली गई डीटीसी

> 400 बसें भी घटीं

नई दिल्ली.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा सत्र में डीटीसी के कार्यों पर कैग की रिपोर्ट प्रस्तुत की. यह सदन में पेश की जाने वाली तीसरी कैग रिपोर्ट है. इस रिपोर्ट में दिल्ली परिवहन निगम के कामकाज की पूरा ब्योरा है. रिपोर्ट में दिल्ली परिवहन निगम ऑडिट में कई गंभीर खामियां उजागर हुई हैं, जो इस निगम की बिगड़ती स्थिति को दर्शाती हैं. रिपोर्ट के मुताबिक डीटीसी पिछले कई सालों से लगातार नुकसान झेल रहा है, बावजूद इसके कोई ठोस व्यापार योजना या दृष्टि दस्तावेज नहीं बनाया गया.

डीटीसी पर सीएजी को लेकर करीब एक महीने पहले रिपोर्ट आई थी. रिपोर्ट में दिल्ली परिवहन निगम की वित्तीय समस्याओं के बढ़ने की बात कही गई थी. रिपोर्ट में बताया गया है कि सरकार के साथ कोई समझौता ज्ञापन नहीं हुआ, जिससे वित्तीय और परिचालन लक्ष्यों को तय किया जा सके. वहीं अन्य राज्य परिवहन निगमों के साथ प्रदर्शन की तुलना भी नहीं की गई. 2015-16 में निगम के पास 4,344 बसें थीं, जो 2022-23 तक घटकर 3,937 रह गईं. जबकि सरकार से आर्थिक सहायता उपलब्ध थी, फिर भी निगम केवल 300 इलेक्ट्रिक बसें ही खरीद सका.

इसके साथ ही रिपोर्ट में बताया गया है कि बसों की आपूर्ति में देरी के लिए 29.86 करोड़ रुपये का जुर्माना भी वसूल नहीं किया गया. 2015-16 में डीटीसी का कुल घाटा 25,300 करोड़ रुपये से बढ़कर 2021-22 में 60,750 करोड़ रुपये हो गया है. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2022 तक निगम ने 3,937 बसें संचालित कीं, जो आवश्यक 5,500 से काफी कम थीं. वहीं DTC के बेड़े में पुरानी बसों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. 2015-16 में जहां केवल 0.13% बसें ओवरएज (अधिवर्षीय) थीं, वहीं यह आंकड़ा 2023 तक बढ़कर 44.96% हो गया.

मेरठ से हरिद्वार तक तेजी से काम

> इस साल गंगा एक्सप्रेस वे होगा तैयार

117.12 किलोमीटर लंबा बलिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे, बिहार के बक्सर और छपरा को कनेक्ट करेगा, और गाजीपुर से जंगीपुर तक का रास्ता तैयार किया जा रहा है.बलिया से लेकर जंगीपुर और फिर प्रयागराज तक, गंगा एक्सप्रेस वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस वे को कनेक्ट करने के लिए नया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे बन रहा है।

बिल्डिंग से गिरकर महिला की मौत

लखनऊ.

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग से गिरने से एक महिला की मौत हो गई. महिला लखीमपुर खीरी की रहने वाली थी और उसका अस्पताल में लंबे समय से कैंसर का इलाज चल रहा था. आज सोमवार को बाहय रोगी विभाग में डॉक्टर को दिखाने के लिए पहुंची थी. इसी दौरान यह हादसा हो गया. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

लखनऊ के केजीएमयू में एक महिला मरीज की शताब्दी फेज-2 की बिल्डिंग से गिरने की वजह से मौत हो गई. मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी की रहने वाली दीपमाला(32) के तौर पर हुई है, जो अस्पताल में कैंसर का इलाज कराने के लिए आई थी.दीपमाला का इलाज लंबे समय से सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डिपार्टमेंट में चल रहा था. सोमवार को ओपीड़ी में डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराने के वह अपने पिता के साथ रविवार की शाम ही केजीएमयू परसिर में पहुंच गई थी.

इस बीच डॉक्टर को दिखाने से पहले ही सोमवार को उसकी मौत हो गई. खून से लथपथ पड़ी महिला को देखते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया. उसे आनन-फानन में ट्रामा सेंटर में ले गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. मामले की जानकारी होते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने दीपमाला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही मामले की जाचं शुरू कर दी है.

पोप फ्रांसिस को अस्पताल से मिली छुट्टी

वेटिकन.

मन कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप फ्रांसिस पिछले काफी समय से अपने खराब स्वास्थ्य को लेकर सुर्खियों में थे. हालांकि अब वो ठीक है. निमोनिया से उबरने के बाद रविवार (23 मार्च) को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिसके बाद वह वेटिकन स्थित अपने आवास पर पहुंचे. पिछले एक महीने से 88 साल के पोप अस्पताल में भर्ती थे. उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए लगातार प्रार्थनाएं की जा रही थीं.अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रविवार को पोप फ्रांसिस पांच हफ्ते में पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए और अस्पताल की बालकनी से लोगों को आशीर्वाद दिया. जब उन्हें रोम के गेमेली अस्पताल की बालकनी में व्हीलचेयर पर लाया तो उन्होंने मुस्कुरा के थम्स अप किया और भीड़ का शुक्रिया अदा भी किया. इस दौरान पोप की एक झलक पाने के लिए सुबह से ही सैकड़ों लोग वहां मौजूद थे.

बताया जा रहा है कि जब पोप अपने आवास पर पहुंचे तो उनकी नाक में ट्यूब लगी हुई थी ताकि उन्हें सांस लेने में दिक्कत न हो. उनके स्वागत के लिए सड़कों पर लोगों का हुजूम लगा था. बीते शनिवार को उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया था कि पोप अब ठीक हैं और उन्हें रविवार को छुट्टी दे दी जाएगी.

पोप के रूप में चुने जाने के बाद अस्पताल में ये उनका सबसे लंबा प्रवास रहा है. कई हफ्तों तक न देखे जाने के बाद, वेटिकन ने पोप का एक छोटा ऑडियो संदेश जारी किया था वहीं पिछले सप्ताह एक तस्वीर भी जारी की थी, जिसमें वो अस्पताल के चैपल में प्रार्थना करते हुए दिखाई दे रहे थे.

पोप दोनों फेफड़ों में निमोनिया के गंभीर संक्रमण की वजह से पिछले 38 दिन से अस्पताल में भर्ती थे. उन्हें ब्रोंकाइटिस की समस्या बढ़ने के बाद 14 फरवरी को जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

बाद में उन्हें निमोनिया का गंभीर संक्रमण हो गया. अस्पताल के डॉ. रोसैला रुसोमेंडो ने कहा पोप के स्वस्थ होने पर खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा 'आज हम बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं. यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी सभी प्रार्थनाएं, दुनिया भर की सभी दुआओं के कारण आज यह दिन आया है'.

1990-2005 तक लालू ने सिर्फ नाच देखा

पटना.

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप का तेज हो गए हैं. इस बीच सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक दूसरे पर जमकर हमला बोला. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा 'मैं जाति पर राजनीति नहीं करता और मैं बीजेपी का सदस्य हूं. मैंने लालू जी के साथ काम किया है. लेकिन, हमारे विचार अलग थे. लोग पूछते हैं कि क्या मैं संघ कार्यालय गया हूं, तो मैं पूछता हूं कि जब आपके पिता मुख्यमंत्री बने थे, क्या वो उस दिन संघ कार्यालय गए थे? .चौधरी ने कहा 'मैं कहता हूं जिस दिन आप संघ कार्यालय जाएंगे, आपका भाग्य खुल जाएगा. सम्राट चौधरी ने कहा कि मैं अपराधियों को नहीं छोड़ूंगा. अगर अपराधी कट्टा दिखाएगा, तो पुलिस उसे मार गिराएगी. पुलिस ने साफ कह दिया है कि जो भी अपराधी है, उसे किसी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा. अगर अपराधी कट्टा दिखाएगा, तो उसकी हत्या कर दी जाएगी.

एक ही धर्म के लोग निशाने पर, तनाव तो होगा...

> उमर अब्दुल्ला ने जताई चिंता

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि किसी एक समुदाय को निशाना बनाने से तनाव बढ़ेगा. वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बारे में सोमवार को मीडिया से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि एक ही मजहब को टारगेट किया जा रहा है, जो ठीक नहीं. उन्होंने कहा कि हर मजहब के अपने दायरे और चैरिटेबल काम होते हैं. मुसलमानों में यह ज्यादातर वक्फ के जरिए होता है. सिर्फ एक मजहबी दायरे को चुनकर निशाना बनाना गलत है और इससे सिर्फ तनाव बढ़ेगा.

एक दिन पहले ही ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन करने की घोषणा की थी.ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 17 मार्च को दिल्ली में बड़े पैमाने पर और सफल विरोध प्रदर्शन के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है.

बयान में कहा गया है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की 31 सदस्यीय एक्शन कमेटी ने विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और नुकसानदायक बिल का विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया है. 'आंदोलन के पहले चरण के हिस्से के रूप में 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है'. बयान में कहा गया है कि जिला स्तर पर सार्वजनिक सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठी और धरने आयोजित किए जाएंगे और जिला मजिस्ट्रेटों के जरिए से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपे जाएंगे.

'दिल्ली में सफल प्रदर्शन के लिए सभी का शुक्रिया'

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड प्रवक्ता और वक्फ बिल के खिलाफ एक्शन कमेटी के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, नागरिक समाज समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, अल्लाह का शुक्र है और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली में हुए प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती'. उन्होंने विपक्षी दलों और सांसदों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में भाग लिया, बल्कि प्रस्तावित कानून को दृढ़ता से खारिज भी किया.